मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शुक्रवार, 27 नवंबर 2026

संवत 2083, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष-3 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 81 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▶▶ भारत-नेपाल संबंध : भरोसे की नई उम्मीद, चुनौतियां बरकरार

वर्दी पहनना चाहती थीं सेलिना जेटली किस्मत ने पहना दिया फेमिना मिस इंडिया... ◀◀ 6

मकान में फंदे से लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक युवक का शव किराये के मकान में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान माइकल राज के रूप में हुई है। वह मूल रूप से चतरा का रहने वाला था और डोरंडा के दर्जी मोहल्ले में किराये के मकान में रह रहा था। घटना की सूचना मिलने के बाद डोरंडा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मकान मालिक से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम भी पहुंची और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस युवक की पारिवारिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है, ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके।



ट्यूशन जा रही पांचवीं की छात्रा को तेज रफ्तार वैन ने कुचला, मौके पर मौत

बेड़ो (रांची): बेड़ो-लोहरदगा मुख्य सड़क पर तुको कब्रिस्तान के समीप शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांचवीं कक्षा की 10 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। तेज रफ्तार मारुति वैन की चपेट में आने से छात्रा सुचिता कुमारी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वह खूंटी टोली गांव निवासी मनोहर उरांव की पुत्री थी। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। दो सहेलियों के साथ ट्यूशन जाने के दौरान हादसा: जानकारी के अनुसार, सुचिता शुक्रवार को अपनी दो सहेलियों के साथ पैदल ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकली थी। तीनों तुको स्थित कोचिंग सेंटर जा रही थीं। इसी दौरान बेड़ो-लोहरदगा सड़क पर तेज रफ्तार से आ रही मारुति वैन ने सुचिता को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। उसके साथ चल रही दोनों सहेलियां बाल-बाल बच गईं। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण और परिजन आनन-फानन में सुचिता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), बेड़ो लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सा प्रभारी डॉ. अनिल कंडूला ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।
नवोदय विद्यालय की परीक्षा से पहले छिन गई खुशियां: सुचिता पढ़ाई में रुचि रखती थी और नवोदय विद्यालय में नामांकन के लिए तैयारी कर रही थी। 28 नवंबर को उसकी प्रवेश परीक्षा निर्धारित थी। परिवार को उम्मीद थी कि बेटी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर अपने सपनों को साकार करेगी, लेकिन परीक्षा से ठीक एक दिन पहले हुए इस हादसे ने परिवार की सारी खुशियां छीन लीं। बेटी की असमय मौत से माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।
वाहन जब्त, चालक की तलाश में जुटी पुलिस: घटना के बाद वैन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर बेड़ो थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, दुर्घटनाग्रस्त मारुति वैन को जब्त कर लिया गया है। पुलिस फरार चालक की तलाश करने के साथ मामले की जांच कर रही है।

मुंबई में बम की धमकी देने वाला टेक इंजीनियर गिरफ्तार, देशभर में 1500 फर्जी ईमेल भेजने का शक

एजेंसी

मुंबई : मुंबई में बीएमसी कार्यालय, मेट्रो स्टेशन, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), अदालतों, स्कूलों और अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले सहित कई महत्वपूर्ण ठिकानों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल मामले में पुलिस ने एक 28 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पहचान की है। आरोपी अमेरिका में कार्यरत था और उस पर पिछले दो वर्षों में देश की विभिन्न एजेंसियों को करीब 1500 फर्जी धमकी भरे ईमेल भेजने का संदेह है।
मुंबई पुलिस से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर तमिलनाडु एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) ने आरोपी को जुलाई में अमेरिका से लौटते समय चेन्नई एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया था। आरोपी की पहचान तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के रहने वाले शरत सुब्रमण्यम शंकर के रूप में हुई है। फिलहाल वह तमिलनाडु पुलिस की हिरासत में है।
टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी की हिरासत मिलने के बाद उससे गहन पूछताछ की जाएगी। इसका उद्देश्य धमकी भरे ईमेल भेजने के पीछे उसके असली मकसद का पता लगाना है। धमकी भरे ईमेल की जांच कर रहे मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शंकर के एक ईमेल से मिले सुराग के आधार पर उससे संपर्क किया। अधिकारी ने उसे बातचीत में उलझाया, लेकिन शंकर को इस बात की जानकारी नहीं थी कि वह किसी पुलिसकर्मी से बात कर रहा है। एक सवाल का जवाब देते समय उसने अनजाने में अपनी निजी ईमेल आईडी का इस्तेमाल कर लिया। पुलिस के लिए उसकी पहचान और अन्य जानकारियां जुटाने के लिहाज से यह अहम सुराग साबित हुआ। इसके बाद मुंबई पुलिस ने यह जानकारी तमिलनाडु पुलिस के साथ साझा की और अमेरिका से लौटते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।
मुंबई में मिलने वाले प्रत्येक धमकी भरे ईमेल के बाद सुरक्षा एजेंसियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत संबंधित इमारतों को खाली कराना पड़ता था। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी करनी पड़ती थी। ऐसे मामलों में बम निरोधक दस्ते, स्निफर डॉग स्क्वाड, स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच के जवानों को तैनात किया जाता था। इससे कई बार सार्वजनिक सेवाएं भी प्रभावित हुईं। हालांकि, जांच के दौरान ये सभी धमकियां झूठी साबित हुईं।
आरोपी की गिरफ्तारी से पहले 10 जून को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को भी एक ईमेल भेजा गया था, जिसमें इमारत के अंदर आरडीएक्स होने का दावा किया गया था। जांच अधिकारियों के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल अलग-अलग खातों से भेजे गए थे। इनमें वीपीएन और पहचान छिपाने वाली अन्य तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था। इसके कारण ईमेल भेजने वाले की डिजिटल पहचान का पता लगाना बेहद मुश्किल हो गया था और जांच में भी देरी हुई।
इस मामले में उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए 24 वर्षीय अंकित शंखवार की भूमिका की भी जांच की जा रही है। उसे फर्जी ईमेल अकाउंट बनाने और उनकी सप्लाई करने वाले नेटवर्क का संचालन करने के आरोप में पकड़ा गया था। पुलिस अब दोनों संदिग्धों के बीच संभावित संबंधों और धमकी भरे ईमेल भेजने के पीछे सक्रिय नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत मुआवजे की मांग पर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

लातेहार: जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में बालूमाथ-मुरपा सड़क पर गुरुवार देर रात सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मुरपा गांव निवासी आयुष यादव के रूप में हुई है। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब 10 से 11 बजे आयुष यादव बालूमाथ से अपने घर मुरपा लौट रहे थे। इसी दौरान ललकागड़ा के समीप एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां डॉ. दयानंद कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। हालांकि, रिम्स ले जाने के दौरान रास्ते में ही आयुष ने दम तोड़ दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शुक्रवार को मुरपा चौक पर सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।



लोहरदगा: फुटबॉल मैदान पर लगी चोट बनी जिंदगी की आखिरी जंग, एक सप्ताह बाद सोनू उरांव ने रिम्स में तोड़ा दम

संवाददाता

लोहरदगा: फुटबॉल के मैदान पर अपने हुनर और सपनों को नई उड़ान देने की तैयारी कर रहे सोनू उरांव की जिंदगी एक हादसे ने छीन ली। मैच के दौरान साथी खिलाड़ी से टकराकर गंभीर रूप से घायल हुए सोनू ने करीब एक सप्ताह तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद शुक्रवार की अहले सुबह चार बजे रिम्स में दम तोड़ दिया। वह 11वीं कक्षा का छात्र और उभरता हुआ फुटबॉल खिलाड़ी था। उसकी मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा है। वहीं, जिले के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा लोकप्रिय ग्रामीण एवं स्वदेशी जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 19 और 20 नवंबर को नदिया हिंदू उच्च विद्यालय के मिनी स्टेडियम में किया गया था।
प्रतियोगिता के दूसरे दिन, 20 नवंबर को खेलो इंडिया सेंटर और प्लस टू नदिया उच्च विद्यालय की टीमों के बीच फुटबॉल मैच खेला जा रहा था। इसी दौरान एक ही टीम के खिलाड़ी सोनू उरांव और अंशु उरांव आपस में टकरा गए और मैदान पर गिर पड़े। इस दुर्घटना में दोनों खिलाड़ी गंभीर रूप से घायल हो गए।
हादसे के बाद सोनू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। रिम्स में चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। परिजनों और शुभचिंतकों को उम्मीद थी कि सोनू स्वस्थ होकर घर लौटेगा, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। शुक्रवार की सुबह उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।



बोकारो की लापता नाबालिग का अब तक सुराग नहीं हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगी जांच की प्रगति रिपोर्ट

संवाददाता

रांची: बोकारो से लापता नाबालिग बच्ची के मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। इस पर हाईकोर्ट ने सीबीआई को अनुसंधान की प्रगति से संबंधित स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित की गई है। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान सीबीआई के अधिकारियों से जांच की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। सीबीआई के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष उपस्थित हुए थे। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विसेंट रोहित मार्की ने पक्ष रखा।
सीबीआई को सौंपी गई है जांच की जिम्मेदारी: पिछली सुनवाई में सीबीआई ने अदालत को बताया था कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। अदालत ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था, जिसके बाद एजेंसी ने जांच अपने हाथ में ले ली थी।
16 अक्टूबर 2020 से लापता है बच्ची: बोकारो की यह बच्ची 16 अक्टूबर 2020 से लापता है। उसके लापता होने के बाद इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। घटनास्थल के पास से बच्ची की साइकिल, चप्पल और किताबें भी बरामद हुई थीं।



संसद सत्र से पहले आज मोदी कैबिनेट की अहम बैठक

महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर हो सकता है मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक होने जा रही है। संसद के दोनों सदनों की बैठक दोबारा बुलाए जाने की तैयारियों के बीच सरकार इस बैठक में आगामी सत्र की रणनीति और विधायी एजेंडे पर चर्चा कर सकती है। माना जा रहा है कि बैठक में महत्वपूर्ण विधेयकों के साथ महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े प्रस्तावों पर भी मंथन होगा।
एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, संसद सत्र से पहले होने वाली इस बैठक में परिसीमन से जुड़े महिला कोटा विधेयक पर चर्चा होने की संभावना है। सरकार की कोशिश है कि सत्र के दौरान महत्वपूर्ण विधायी कामकाज को पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ाया जाए।
इससे पहले गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया था कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सोमवार, 30 नवंबर 2026 को और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन से बुधवार, 2 दिसंबर 2026 को सदन की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। आवश्यक सरकारी कामकाज के मद्देनजर संसद की कार्यवाही गुरुवार, 3 दिसंबर तक चल सकती है।
संसद सत्र की तैयारियों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पहले ही मंत्रियों को अपने-अपने मंत्रालयों के सभी विधायी और प्रशासनिक कार्य 15 दिसंबर से पहले पूरे करने तथा विदेश यात्राओं से बचने की सलाह दे चुके हैं। शुक्रवार की बैठक में विभिन्न मंत्रालयों के लंबित प्रस्तावों और विधेयकों की स्थिति की समीक्षा भी की जा सकती है, ताकि सदन में सरकार पूरी तैयारी के साथ अपना पक्ष रख सके। दूसरी ओर, संसद सत्र को देखते हुए विपक्षी



परिसीमन बिल पर डीएमके के रुख ने बढ़ाई इंडियागठबंधन की चिंता, शर्तों के साथ समर्थन देने के संकेत

नई दिल्ली : परिसीमन बिल को लेकर विपक्षी खेमे में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने दावा किया है कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के कुछ सांसद शर्तों के साथ परिसीमन बिल का समर्थन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक के दौरान उनकी डीएमके के कुछ सांसदों से बातचीत हुई थी। इस दौरान जब उन्होंने परिसीमन बिल पर पार्टी का रुख जानना चाहा तो सांसदों ने कहा कि कुछ शर्तों के साथ वे सरकार का समर्थन कर सकते हैं। मनोज कुमार ने हालांकि स्पष्ट किया कि उन्हें उन शर्तों की सटीक जानकारी याद नहीं है। उन्होंने इसे अपने लिए हैरान करने वाला बताया, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि ऊटड इस विधेयक का समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अब 30 नवंबर तक इंतजार करना होगा और पार्टी का अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व ही करेगा। वहीं, डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि पार्टी ने पहले पेश किए गए परिसीमन बिल का विरोध किया था, लेकिन नए विधेयक को देखने के बाद ही अपना रुख तय करेगी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले यह देखना जरूरी है कि सरकार ने नए बिल में क्या बदलाव किए हैं और क्या इससे राज्यों के हित प्रभावित होंगे। यदि राज्यों की चिंताओं और उनके सुझावों को नए विधेयक में जगह दी गई होगी तो पार्टी उस पर विचार कर सकती है।
दरअसल, संसद के आगामी विशेष सत्र से पहले परिसीमन और महिला आरक्षण को लेकर राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा तेज हो गई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को बताया था कि सरकार ने लोकसभा की बैठक 30 नवंबर और राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर को बुलाने का अनुरोध किया है। आवश्यक सरकारी कामकाज के बाद सत्र 3 दिसंबर तक समाप्त हो सकता है। हालांकि, विशेष सत्र का एजेंडा अभी घोषित नहीं किया गया है।
इस बीच अटकलें हैं कि सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विधायी प्रयास को दोबारा आगे बढ़ा सकती है। अप्रैल में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो पाया था। 17 अप्रैल को हुई वोटिंग में 298 सांसदों ने इसके समर्थन में, जबकि 230 सांसदों ने विरोध में मतदान किया था। कुल 528 वोट पड़े थे। विधेयक पारित कराने के लिए 352 वोटों की जरूरत थी और सरकार 54 वोट से पीछे रह गई थी।

बाजार खुलते ही निवेशकों को बड़ा झटका कुछ ही पलों में साफ हो गए 59,570 करोड़

एजेंसी

मुंबई : भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को कारोबार की शुरूआत बेहद निराशाजनक रही और दो दिनों की तेजी के बाद एक बार फिर गिरावट लौट आई है। बाजार खुलने के महज कुछ ही पलों के भीतर चौतरफा बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिसके चलते बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव से 396 अंक तक लुढ़ककर 83,932.34 के निचले स्तर पर आ गया। शुरूआती कारोबार में आई इस तेज गिरावट के कारण निवेशकों को जोरदार झटका लगा और बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 59,570 करोड़ रुपये की बड़ी कमी दर्ज की गई। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी भी पिछले क्लोजिंग स्तर से 81 अंक तक टूटकर 25,803.60 के लो तक फिसल गया।
मार्केट कैप में आई भारी गिरावट, 514.61 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा आंकड़ा: बाजार में लौटी इस कमजोरी का सीधा असर निवेशकों की पूंजी पर दिखाई दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार 26 नवंबर को जब शेयर बाजार बंद हुआ था, तब बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 515.20 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर था। हालांकि, शुक्रवार को बाजार खुलने के कुछ ही देर बाद यह घटकर 514.61 लाख करोड़ रुपये के आसपास दर्ज किया गया। इस तरह शुरूआती मिनटों के कारोबार में ही निवेशकों की संपत्ति में 59,570 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई, जिससे बाजार के जानकारों और खुदरा निवेशकों की चिंता बढ़ गई है।
गुरुवार की तेजी पर लगा ब्रेक, पिछले सत्र में चमके थे स्मॉलकैप और मिडकैप शेयर: गौरतलब है कि शुक्रवार की इस गिरावट से ठीक पहले घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में शानदार तेजी का माहौल देखने को मिला था। पिछले सत्र के अंत में बीएसई सेंसेक्स 390.31 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 84,328.59 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी प्रकार एनएसई निफ्टी भी 65.25 अंक या 0.25 प्रतिशत की बढ़त हासिल करते हुए 25,884.50 पर बंद होने में सफल रहा था। गुरुवार के कारोबार में दिग्गज शेयरों के साथ-साथ ब्रॉडर मार्केट में भी अच्छी खरीदारी देखी गई थी, जिसके चलते बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.78 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ था, जबकि मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.65 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई थी।



गुजरात एटीएस की बड़ी कार्रवाई, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध को एके-47 के साथ दबोचा, 23 कारतूस भी बरामद

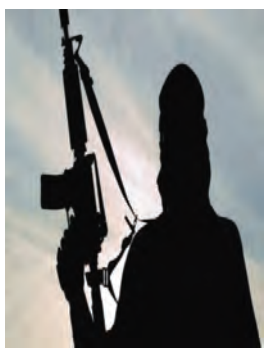

नई दिल्ली/वडोदरा : गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वडोदरा में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने यह ऑपरेशन जरोद बस स्टैंड के पास चलाया। तलाशी के दौरान संदिग्ध के कब्जे से एक एके-47 राइफल और करीब 23 राउंड कारतूस बरामद किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध मूल रूप से असम का रहने वाला है और वहां से वडोदरा पहुंचा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी के पास अडड-47 कहां से आई और उसे हथियार किसने मुहैया कराया था। एटीएस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच का मुख्य फोकस हथियारों की सप्लाई के स्रोत, आरोपी के संपर्कों और जैश-ए-मोहम्मद से उसके कथित संबंधों का पता लगाना है। मामले में आगे की जांच जारी है।

न्यूज IN ब्रीफ

सिल्ली में संविधान दिवस पर डॉ अंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि



मुरी: सिल्ली आम बागान में गुरुवार को राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।
इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से शोषित, वंचित, दलित और पिछड़े वर्गों सहित देश के सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की। उनका संदेश था कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। उन्होंने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो इसे पिएगा वह दहाड़ेगा। हमें डॉ. अंबेडकर के विचारों से प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रेरणा विदेशों में भी ली जाती है।
कार्यक्रम के दौरान सुदेश महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विकास करने वाली पार्टी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में वोट हासिल करने के लिए झूठे वादे किए जाते हैं, लोगों को प्रलोभन दिया जाता है और भाई-भाई के बीच विवाद पैदा किया जाता है।
उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि सिल्ली के लोगों ने धीरे-धीरे अपनी गलतियों को स्वीकार किया है। जो अपनी गलती मान लेता है, वह कभी हारता नहीं है। उन्होंने सिल्ली अंचल कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि 21 दिन बीत जाने के बावजूद सीओ कार्यालय में नहीं बैठ रही हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

सिल्ली में सड़कों पर खतरनाक गड्ढे, हादसों को दे रहे न्योता, जिम्मेदार अधिकारी बेखबर



मुरी : सिल्ली के प्रमुख मार्गों पर बने खतरनाक गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। बुंडू चौक के ठीक मोड़ पर बड़े-बड़े गड्ढे होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यहां से गुजरने वाले बड़े वाहनों को मोड़ने के दौरान काफी जगह लेनी पड़ती है, जिससे छोटी-बड़ी गाड़ियों के लिए खतरा बढ़ जाता है।
सिल्ली ओवरब्रिज के बीचोंबीच भी कई बड़े गड्ढे बन गए हैं। इससे आवागमन में लोगों को काफी परेशानी हो रही है। तेज रफ्तार से आने वाले वाहन चालकों को अचानक गड्ढे दिखाई देने पर संतुलन बिगड़ने और दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इसी तरह पुराने यूनियन बैंक के पास भी सड़क पर खतरनाक गड्ढे बने हुए हैं। रात के समय इन गड्ढों के कारण वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा और बढ़ जाता है।
स्थानीय लोगों का कहना है कि इन समस्याओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को होने के बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। मुखिया, जिला परिषद सदस्य, प्रशासन और विधायक की जिम्मेदारी है कि इन गड्ढों को भरवाकर तत्काल राहत दिलाई जाए।
लोगों का कहना है कि सिल्ली में बड़े-बड़े विकास कार्यों की चर्चा होती है, लेकिन सड़कों के छोटे-छोटे गड्ढों की अनदेखी की जा रही है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

डकरा में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया संविधान दिवस, बाबा साहेब को किया नमन



खलारी : डकरा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में गुरुवार को संविधान दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए भारतीय संविधान के महत्व और उसमें निहित लोकतांत्रिक मूल्यों, समानता, स्वतंत्रता एवं भाईचारे के सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।
वक्ताओं ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश को एक सशक्त संविधान देने के साथ-साथ समाज में समानता और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने का काम कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने और संविधान के आदर्शों की रक्षा करने का संकल्प लिया।
इस अवसर पर देवपाल मुंडा, मिथिलेश पासवान, रामदेव राम, रामेश्वर राम, लालमुनी दास, जगदीश गंजू, इतवारी, खेमलाल, बिंदेश्वरी राम, अनिल राम, रामेश्वर शर्मा, राहुल कुमार, विवेक कुमार और हर्ष कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जेपीएससी वन क्षेत्र पदाधिकारी परीक्षा में धांधली का खुलासा

12 अभ्यर्थियों की उत्तरपुस्तिकाएं एआई की मदद से गुप्त ठिकाने पर लिखवाई गईं

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर (वन क्षेत्र पदाधिकारी) मुख्य परीक्षा में कथित धांधली की जांच के दौरान अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को कई अहम सुराग मिले हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि परीक्षा समाप्त होने के बाद करीब 12 अभ्यर्थियों को रांची के रातू रोड स्थित एक बंद मकान में ले जाया गया था। वहां किताबों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से पूरी रात उनकी उत्तरपुस्तिकाओं में जवाब लिखवाए गए।
इस मामले में गिरफ्तार अभ्यर्थी पंकज प्रसून ने अपने बयान में कथित फजीर्वाड़े का खुलासा किया है। उसने चयन कराने के नाम पर पांच लाख रुपये नकद देने की बात भी स्वीकार की है।
परीक्षा खत्म होते ही गुप्त ठिकाने पर पहुंचाए गए अभ्यर्थीः सीआईडी की जांच के अनुसार, 11 फरवरी को वन क्षेत्र पदाधिकारी मुख्य परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा समाप्त होने के बाद अभ्यर्थियों को रातू रोड स्थित एक पार्क के पास बने मकान में ले जाया गया। वहां एक कमरे में पंकज प्रसून, ऋतिक रोशन समेत करीब 12 अभ्यर्थियों को एकत्र किया गया था।
कमरे में किताबों का ढेर लगा था। सभी अभ्यर्थियों के मोबाइल फोन बंद करवा दिए गए और उन्हें लैपटॉप दिए गए। इसके बाद उन्हें मुख्य परीक्षा की



मूल उत्तरपुस्तिकाएं सौंपी गईं। हालांकि, इन उत्तरपुस्तिकाओं के पहले पन्ने गायब थे। इसी पन्ने पर अभ्यर्थी का नाम, रोल नंबर और अन्य विवरण दर्ज होता है।
जांच में पता चला कि अभ्यर्थियों से सामान्य अध्ययन और दोनों वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के उत्तर किताबों तथा एआई की मदद से पूरी रात लिखवाए गए। इस तरह परीक्षा के बाद गुप्त ठिकाने पर उत्तरपुस्तिकाएं तैयार करने की व्यवस्था की गई थी। 20 घंटे तक बंद रहा मोबाइल, डिलीट चैट से खुला राजः जांच एजेंसी के मुताबिक, पंकज प्रसून सरकारी अधिकारी बनने के लिए अनुचित रास्ता अपनाने की कोशिश कर रहा था। वह अपने चचेरे भाई संजीत कुमार के माध्यम से परीक्षा धांधली के सिंडिकेट से जुड़ा था। संजीत ने उसे भरोसा दिलाया था कि रवि मास्टर उर्फ रवि शंकर कुमार और धर्मेंद्र कुमार का नेटवर्क उसे परीक्षा में सफल करा देगा।
सीआईडी ने पंकज के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की। इसमें सामने आया कि मुख्य परीक्षा के दिन 11 फरवरी को शाम 3:58 बजे उसका मोबाइल बंद हुआ था। अगले दिन 12 फरवरी को शाम 5:32 बजे फोन दोबारा चालू हुआ। यानी करीब 20 घंटे तक मोबाइल बंद रहा।
इस दौरान पंकज, संजीत और रवि मास्टर के बीच लगातार बातचीत हुई थी। जांच एजेंसी ने पंकज के मोबाइल से हटाए गए व्हाट्सएप चैट और संजीत की ओर से दी गई मास्टर लिस्ट भी बरामद की है। इन साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की भूमिका की जांच की जा रही है।
जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा धांधली जैसा मिला पैटर्नः जांच में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की सीजीएल-2023 परीक्षा में हुई धांधली जैसा पैटर्न भी सामने आया है। सितंबर 2024 में आयोजित उस परीक्षा से पहले पटना के एक फ्लैट में 25 से 30 अभ्यर्थियों को इकट्ठा किया गया था। वहां तीन सेट में प्रश्नों के उत्तर तैयार कराकर अभ्यर्थियों को रटवाए गए थे। साक्ष्य मिटाने के लिए वहां मौजूद कागजात भी जला दिए गए थे। पांच लाख के लेनदेन की भी जांचः वन क्षेत्र पदाधिकारी मुख्य परीक्षा में कथित धांधली के मामले में सीआईडी अब डिजिटल साक्ष्यों के साथ वित्तीय लेनदेन की भी गहन जांच कर रही है। पांच लाख रुपये देने की बात सामने आने के बाद एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल था और अभ्यर्थियों को चयन का भरोसा किस आधार पर दिया गया था।

मुंह से पेन पकड़कर फैजानुल्लाह ने मैट्रिक में हासिल किए 93.8% अंक, मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले गोड्डा के दिव्यांग छात्र, हरसंभव मदद का मिला भरोसा

गुलाम शाहिद

रांची : मजबूत इच्छाशक्ति और बुलंद हौसलों के आगे शारीरिक चुनौतियां भी घुटने टेक देती हैं। गोड्डा के दिव्यांग छात्र मो. फैजानुल्लाह ने अपनी मेहनत और लगन से इसे साबित कर दिखाया है। दोनों हाथों का इस्तेमाल करने में असमर्थ फैजानुल्लाह ने मुंह से पेन पकड़कर झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) की मैट्रिक परीक्षा-2026 दी और 93.8



प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार सफलता प्राप्त की। उनकी इस असाधारण उपलब्धि पर गुरुवार को झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने छात्र की मेहनत, लगन और उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि फैजानुल्लाह की सफलता केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। उनकी उपलब्धि समावेशी शिक्षा, दृढ़ इच्छाशक्ति और दिव्यांग बच्चों में छिपी प्रतिभा का उत्कृष्ट उदाहरण है।
मुख्यमंत्री ने फैजानुल्लाह को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार की ओर से उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उनकी सफलता ने साबित कर दिया है कि यदि हौसले बुलंद हों और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो कोई भी शारीरिक चुनौती सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। फैजानुल्लाह की उपलब्धि निश्चित रूप से अन्य दिव्यांग बच्चों के लिए प्रेरणा बनेगी।

बाबा धाम जा रही कार पलटी नवविवाहिता समेत चार घायल



शादी के दो दिन बाद परिवार के साथ दर्शन करने जा रहा था नवदंपती, चालक को झपकी आने से हुआ हादसा

संवाददाता

जामताड़ा : जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र में बेवा के समीप शुक्रवार तड़के एक कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में बाबा बैद्यनाथ धाम दर्शन करने जा रहे नवदंपती समेत परिवार के चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जामताड़ा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में नवविवाहिता को गंभीर चोट आई है।
मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के रानीगंज निवासी शंभू बरनवाल (56), उनकी पत्नी ज्योति बरनवाल (50), पुत्र और नवविवाहिता बहू नंदिनी बरनवाल (28) कार से देवघर जा रहे थे। बताया जाता है कि नवदंपती की शादी महज दो दिन पहले हुई थी। विवाह के बाद दोनों परिवार के साथ बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना करने निकले थे।
परिजनों के मुताबिक, रास्ते में कार चला रहे शंभू बरनवाल के पुत्र को अचानक झपकी आ गई। इससे वाहन पर उसका नियंत्रण हट गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में नवविवाहिता नंदिनी बरनवाल के माथे पर गंभीर चोट आई है। उनके सिर में कई टांके लगाने पड़े। वहीं, शंभू बरनवाल ने सीने में दर्द की शिकायत की है, जबकि उनकी पत्नी ज्योति बरनवाल भी घायल हुई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाए गए घायलः घटना की सूचना मिलते ही मिहिजाम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी शुक्रवार सुबह सदर अस्पताल पहुंच गए।

डीएवी की शिक्षिका पर छठी के छात्र की बेरहमी से पिटाई का आरोप, पिता ने मांगी कार्रवाई

ब्रेन संबंधी बीमारी से पीड़ित है छात्र, कान से सुनने में हो रही परेशानी, प्रिंसिपल ने इलाज का खर्च उठाने का दिया आश्वासन

बोकारो : बोकारो के डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 की एक शिक्षिका पर छठी कक्षा के छात्र की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा है। पीड़ित छात्र ऋतुराज के पिता रामप्रवेश सिंह ने स्कूल की अंग्रेजी शिक्षिका चंदा ठाकुर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। वहीं, स्कूल के प्राचार्य ने मामले में कार्रवाई करने और बच्चे के इलाज का खर्च उठाने का आश्वासन दिया है। लिखित शिकायत के अनुसार, 25 नवंबर को कक्षा में पढ़ाई के दौरान किसी बात को लेकर शिक्षिका ने उनके बेटे की पिटाई कर दी। आरोप है कि शिक्षिका ने छात्र को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसके सिर में सूजन आ गई। इसके अलावा, उसे दाहिने कान से सुनने में भी परेशानी होने लगी है।
छात्र के पिता ने शिकायत में बताया है कि उनका बेटा पहले से ही ब्रेन संबंधी बीमारी से पीड़ित है और उसका इलाज सीएमसी वेल्लोर में चल रहा है। इसकी जानकारी स्कूल प्रबंधन को 22 अप्रैल 2025 को ही लिखित आवेदन के माध्यम से दे दी गई थी। इसके बावजूद बच्चे के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना होने से परिवार चिंतित है।
पीड़ित के पिता ने स्कूल प्रबंधन से शिक्षिका के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, प्राचार्य ने मामले में कार्रवाई और इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिया है।

झारखंड में बढ़ेगी ठंड की ठिठुरन, तीन दिनों में 5 डिग्री तक गिरेगा पारा

सुबह कोहरे का असर

संवाददाता

रांची : झारखंड में ठंड का असर आने वाले दिनों में और तेज होने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले तीन दिनों के दौरान राज्य के न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का पूवार्नुमान जताया है। इससे सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ेगी। राजधानी रांची समेत कई जिलों में सुबह कोहरा और कुहासा छाए रहने की संभावना है। हालांकि, फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं।
पिछले 24 घंटे के दौरान रांची के न्यूनतम तापमान में 2.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। दिन में आसमान साफ रहने और धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिलती रहेगी।
तीन दिनों में पांच डिग्री तक गिर सकता है पाराः मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। इसके बाद अगले दो दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव का अनुमान नहीं है। वहीं, अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान लगभग स्थिर रह सकता है।
रांची में 26 से 28 नवंबर तक अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 29 नवंबर को अधिकतम तापमान 23 डिग्री तक पहुंच सकता है, जबकि 30 नवंबर को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री रहने की संभावना है।
बालूमाथ में सबसे ज्यादा ठंड, 8 डिग्री तक पहुंचेगा पाराः राज्य के ठंडे इलाकों में शामिल लातेहार जिले के बालूमाथ में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक, 26 से 28 नवंबर तक यहां न्यूनतम तापमान आठ डिग्री और इसके बाद नौ डिग्री सेल्सियस



के आसपास रह सकता है।
रामगढ़ में भी न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहने के कारण सुबह और रात में ठंड का असर अधिक महसूस होगा। दूसरी ओर, धनबाद में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने से दिन में अपेक्षाकृत गर्माहट बनी रह सकती है।
रांची, पलामू, बोकारो समेत कई जिलों में छाएगा कोहराः तापमान में गिरावट के साथ राज्य के कई हिस्सों में सुबह हल्का से मध्यम कोहरा और कुहासा छाए रहने की संभावना है। रांची, पलामू, बोकारो, हजारीबाग और रामगढ़ में सुबह के समय दृश्यता प्रभावित हो सकती है। खुले और ग्रामीण इलाकों में धुंध का असर अधिक देखने को मिल सकता है। गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, खूंटी, लोहरदगा और धनबाद समेत अधिकांश जिलों में दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने की संभावना है। इससे दोपहर में ठंड का असर कुछ कम रहेगा।
बारिश की संभावना नहीं, एक दिसंबर तक कोई अलर्ट नहींः मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है। एक दिसंबर तक प्रदेश के किसी भी हिस्से के लिए कोई विशेष मौसमी चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।
बढ़ती ठंड और सुबह के कोहरे को देखते हुए बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। सुबह-शाम गर्म कपड़े पहनने के साथ वाहन चालकों को कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाने और फॉग लाइट का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

खेलगांव में झारखंड स्थापना दिवस महोत्सव की धूम, सुनिधि चौहान आज बिखेरेंगी सुरों का जादू

28 नवंबर को होगा मुख्य समारोह, 8,806 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री

गुलाम शाहिद



रांची: झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत राजधानी रांची के खेलगांव में आयोजित तीन दिवसीय मेला एवं सांस्कृतिक महोत्सव का भव्य आगाज हो चुका है। 26 नवंबर को उद्घाटन के साथ शुरू हुए इस आयोजन में झारखंड की कला, संस्कृति, परंपरा और विकास की झलक देखने को मिल रही है। महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान की लाइव प्रस्तुति मुख्य आकर्षण होगी। उनके गीतों पर दर्शक झूमने को तैयार हैं।

सांस्कृति कार्यक्रमों की कड़ी में इंडियन आइडल फेम शगुन पाठक का एकल गायन और देवप्रिय ठाकुर का सितार वादन भी लोगों को मंत्रमुग्ध करेगा। इससे पहले 26 नवंबर की शाम मंत्री दीपक बिरुवा, संजय प्रसाद यादव और दीपिका पांडेय सिंह ने मेले का विधिवत उद्घाटन किया था।

मेले में राज्य के सभी 24 जिलों के विशेष पवेलियन लगाए गए हैं। विभिन्न विभागों की ओर से सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने के लिए स्टॉल बनाए गए हैं। वहीं, फूड कोर्ट में धुस्का, पीठा, छिलका रोटी समेत झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। खास बात यह है कि मेले में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है।

महोत्सव का मुख्य समापन समारोह 28 नवंबर को आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 8,806 करोड़ रुपये की लागत वाली 1,425 विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इनमें रांची के नगड़ी में प्रस्तावित 4,189 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला रिम्स-2 और जामताड़ा मेडिकल कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं को राज्य के विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्य समारोह में खेल के क्षेत्र में राज्य का नाम रोशन करने वाले 400 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को करीब पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे और विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया जाएगा।

महोत्सव के अंतिम दिन शाम को भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की खास तैयारी है। इंडियन आइडल फेम अभिषेक कुमार सांवरिया, पूजा चटर्जी, पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख और मोनिका मुंडू अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे।

झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े का यह आयोजन एक ओर राज्य की सांस्कृतिक विरासत को मंच दे रहा है, तो दूसरी ओर विकास योजनाओं, खेल प्रतिभाओं और युवाओं के सम्मान के जरिए झारखंड की उपलब्धियों को भी सामने ला रहा है।

नौकरी का झांसा देकर पांच नाबालिग बच्चियों को तमिलनाडु ले जा रहा था आरोपी, रांची स्टेशन पर गिरफ्तार

स्पिनिंग मिल में 15 हजार रुपये मासिक वेतन दिलाने का दिया था लालच, आरपीएफ ने ऑपरेशन आहट के तहत बच्चियों को कराया मुक्त

संवाददाता



रांची: तमिलनाडु की एक स्पिनिंग मिल में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पांच नाबालिग बच्चियों को बाहर ले जाने की कोशिश का मामला सामने आया है। रांची रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों बच्चियों को सकुशल मुक्त करा लिया। वहीं, बच्चियों को ले जा रहे आरोपी सुशील कुमार सिंह उर्फ मिटू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। वह पलामू का रहने वाला है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी ने बच्चियों को तमिलनाडु की एक स्पिनिंग मिल में नौकरी दिलाने और हर महीने 15 हजार रुपये वेतन मिलने का लालच दिया था। वह खुद को वहां का सुपरवाइजर बता रहा था। इसी बहाने पांचों बच्चियों को अपने साथ तमिलनाडु ले जा रहा था।

रेल मदद पर मिली शिकायत के बाद हुई कार्रवाई: इस मामले में आरपीएफ को रेल मदद के माध्यम से शिकायत मिली थी। इसके बाद ऑपरेशन आहट के तहत बच्चियों को सुरक्षित निकालने की योजना बनाई गई। सासाराम-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस के रांची स्टेशन पहुंचते ही आरपीएफ की संयुक्त टीम ने आरोपी को पांचों बच्चियों के साथ पकड़ लिया।

प्रति बच्ची रोजाना 20 रुपये मिलने का दावा: पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह तमिलनाडु की एक स्पिनिंग मिल में सुपरवाइजर के रूप में काम करता है। उसने यह भी बताया कि उसे प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से रोजाना 20 रुपये मिलते हैं। हालांकि, बच्चियों को ले जाने के पीछे उसका वास्तविक उद्देश्य क्या था, इसकी जांच की जा रही है।

एएचटीयू को सौंपा गया मामला: आरपीएफ ने पांचों नाबालिग बच्चियों को सुरक्षित मुक्त कराने के बाद आरोपी समेत सभी को रांची की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) के हवाले कर दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां पूरे प्रकरण की जांच कर रही हैं।

होल्डिंग टैक्स नहीं चुकाने वाले बड़े बकायेदारों पर निगम सख्त, एक महीने की मोहलत, फिर सील होंगे प्रतिष्ठान

रोजाना 20 से 25 लाख रुपये वसूली का लक्ष्य, टैक्स कलेक्टरों का वेतन रोकने की भी चेतावनी

संवाददाता



रांची: राजस्व बढ़ाने के लिए रांची नगर निगम ने बड़े होल्डिंग टैक्स बकायेदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। निगम ने बड़े बकायेदार प्रतिष्ठानों को एक महीने के भीतर बकाया होल्डिंग टैक्स जमा करने का अल्टीमेटम दिया है। निर्धारित समय में भुगतान नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व शाखा की समीक्षा बैठक में उप नगर आयुक्त रवींद्र कुमार ने अधिकारियों और टैक्स कलेक्टरों को वसूली में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फिलहाल निगम प्रतिदिन औसतन पांच से सात लाख रुपये ही होल्डिंग टैक्स की वसूली कर पा रहा है। इसे बढ़ाकर रोजाना 20 से 25 लाख रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बड़े बकायेदारों की होगी पहचान: उप नगर आयुक्त ने सभी टैक्स कलेक्टरों को अपने-अपने क्षेत्रों में बड़े बकायेदारों की पहचान कर उनसे बकाया राशि वसूलने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निगम की आय बढ़ाने के लिए बड़े बकायेदारों से प्राथमिकता के आधार पर वसूली की जाए। इसके लिए नियमित रूप से वसूली कार्य की समीक्षा भी की जाएगी।

लक्ष्य पूरा नहीं करने पर रुकेगा वेतन: बैठक में उप नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि टैक्स वसूली में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी टैक्स कलेक्टरों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली करनी होगी। लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले टैक्स कलेक्टरों का वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बड़े बकायेदार प्रतिष्ठानों को एक महीने के भीतर भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया गया है। इसके बाद भी टैक्स जमा नहीं करने पर प्रतिष्ठानों को सील कर दिया जाएगा।

झारखंड के सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3% बढ़ा, वित्त विभाग ने जारी की अधिसूचना

मूल वेतन का 63% मिलेगा डीए एक जुलाई 2026 से प्रभावी होगी बढ़ोतरी



संवाददाता

रांची: झारखंड सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। इसके साथ ही कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत से बढ़कर मूल वेतन का 63 प्रतिशत हो गया है। वित्त विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी।

एक जुलाई से मिलेगा बढ़े हुए डीए का लाभ: वित्त विभाग की अधिसूचना के अनुसार, महंगाई भत्ते में की गई बढ़ोतरी एक जुलाई 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। यानी कर्मचारियों को जुलाई से बढ़ी हुई दर के हिसाब से डीए का लाभ मिलेगा।

केंद्र की बढ़ोतरी के बाद राज्य सरकार का फैसला: इससे पहले केंद्र सरकार ने 29 अक्तूबर को केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि की थी। इसके बाद झारखंड मंत्रिपरिषद की 18 नवंबर को हुई बैठक में राज्यकर्मियों का डीए 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 63 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया था। अब वित्त विभाग की अधिसूचना जारी होने के साथ ही इस फैसले को लागू कर दिया गया है।

रांची सुरक्षा व्यवस्था परखने देर रात सड़कों पर उतरे सिटी डीएसपी, पुलिसकर्मियों को दिए सख्त निर्देश

संवाददाता



रांचीः शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने बीती रात विभिन्न थाना क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। एसपी के निर्देश पर उन्होंने बीएस सिटी, सेक्टर-4, सेक्टर-12, सेक्टर-6 और हरला थाना क्षेत्रों में चल रही रात्रि गश्ती, ओडी ड्यूटी और रक्षक राइडर की कार्यप्रणाली का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीएसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और जवानों की मुस्तैदी परखी। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि रात के समय संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच की जाए। इसके साथ ही सुनसान और संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त करने का निर्देश दिया, ताकि चोरी और सेंधमारी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। सिटी डीएसपी ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने रात्रि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत भी दी।

शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण, आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता

रांचीः शादी का झांसा देकर युवती का लंबे समय तक यौन शोषण करने के आरोप में बीआइटी मेसरा ओपी पुलिस ने करन महतो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार देर शाम आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस मामले में पीड़िता के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की है। पीड़िता के आवेदन के अनुसार, वर्ष 2023 में उसकी दोस्ती करन महतो से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। धीरे-धीरे उनकी जान-पहचान बढ़ी और दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। युवती का आरोप है कि वर्ष 2024 में आरोपी ने उसे अपने घर बुलाया और जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। युवती ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उससे शादी करने का भरोसा दिलाया। शादी का आश्वासन मिलने के बाद युवती ने उसकी बातों पर विश्वास कर लिया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी शादी का वादा कर युवती को अलग-अलग जगहों पर ले जाने लगा और वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। यह सिलसिला लंबे समय तक चलता रहा और 19 जनवरी 2026 तक जारी रहा। इस दौरान आरोपी लगातार युवती को शादी करने का भरोसा देता रहा। पीड़िता के मुताबिक, जब उसने आरोपी से शादी करने की बात कही तो वह बहाने बनाने लगा। पहले वह किसी न किसी वजह से शादी को टालता रहा और बाद में युवती की बातों को भी अनसुना करने लगा। आरोपी के इस रवैये से परेशान होकर युवती ने पुलिस से शिकायत करने का फैसला लिया। इसके बाद पीड़िता ने बीआइटी मेसरा ओपी में आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की और जांच शुरू की। जांच के क्रम में पुलिस ने गुरुवार देर शाम आरोपी करन महतो को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

डायन बताकर कुल्हाड़ी से की थी महिला की हत्या दोषी की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने खारिज की अपील

एकमात्र चश्मदीद गवाह की विश्वसनीय गवाही और चिकित्सकीय साक्ष्यों को माना पर्याप्त, 2016 में निचली अदालत ने सुनाई थी सजा

संवाददाता



रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने डायन बताकर एक महिला की कुल्हाड़ी से हत्या करने के मामले में दोषी की आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखी है। अदालत ने दोषी फागू महली उर्फ पागू की ओर से दायर अपील खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि किसी मामले में गवाहों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण उनके बयान की विश्वसनीयता और साक्ष्यों की गुणवत्ता होती है।

क्या है पूरा मामला

अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 11 जून 2014 की सुबह पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र के सत्यबकरा टोला (लोकापानी) की है। घटना से एक रात पहले 10/11 जून को फागू महली उर्फ पागू महली का अपने परिवार में विवाद हुआ था। इस दौरान वह लिपि महली को मारने के लिए दौड़ा। लिपि ने मकरो सरदार के घर में शरण ली थी, जहां मृतका खोरी सरदार ने उसे बचाया था।

अगली सुबह खोरी सरदार अपनी बहू झरना सरदार के साथ पानी लेकर लौट रही थी। इसी दौरान फागू महली वहां पहुंचा और खोरी सरदार को डायन बताते हुए उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। शोर सुनकर ग्रामीण और परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी को पकड़कर बांध दिया।

निचली अदालत ने सुनाई थी उम्रकैद

मामले की सुनवाई के बाद घाटशिला के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 20 अगस्त 2016 को फागू महली को दोषी करार देते हुए आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। जुमार्ना नहीं देने पर छह महीने के अतिरिक्त साधारण कारावास का प्रावधान किया गया था।

बचाव पक्ष ने गवाही पर उठाए सवाल

हाईकोर्ट में अपीलकर्ता के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि पूरा मामला मृतका की बहू के बयान पर आधारित है। उनका कहना था कि वह एकमात्र चश्मदीद गवाह है और अन्य गवाहों के बयानों से घटनास्थल पर उसकी मौजूदगी संदिग्ध प्रतीत होती है। बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि आरोपी ने केवल एक वार किया था और डायन प्रथा निषेध अधिनियम के तहत दोषसिद्धि नहीं हुई है। इसलिए हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा उचित नहीं है।

चश्मदीद गवाह की गवाही को माना विश्वसनीय

राज्य सरकार की ओर से अपील का विरोध करते हुए कहा गया कि चश्मदीद गवाह की गवाही विश्वसनीय है। घटनास्थल से खून लगी कुल्हाड़ी भी जब्त की गई थी और आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया था।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि आपराधिक मामलों में गवाहों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी गवाही की गुणवत्ता मायने रखती है। यदि एकमात्र चश्मदीद गवाह का बयान विश्वसनीय है और अन्य साक्ष्यों से उसकी पुष्टि होती है, तो उसके आधार पर भी दोषसिद्धि की जा सकती है।

चिकित्सकीय साक्ष्यों से भी हुई पुष्टि

पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक की रिपोर्ट के अनुसार, मृतका के सिर के बाएं फ्रंटो-टेम्पोरल हिस्से में धारदार हथियार से गंभीर चोट लगी थी। चोट के कारण मस्तिष्क का हिस्सा भी कुचल गया था। हाईकोर्ट ने कहा कि सिर पर इस तरह का जोरदार प्रहार और कुल्हाड़ी लेकर घटनास्थल पर पहुंचना हत्या के इरादे को दशार्ता है। वार एक ही होने से अपराध की गंभीरता कम नहीं होती। इन साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए दोषी की अपील खारिज कर दी।

Government of Jharkhand
Drinking Water & Sanitation Division, Ramgarh
Email Id:- eedwsd.ramgarh@gmail.com

Very Urgent Tender Notice
(DMFT Head)

Tender Reference No.–DWSD/RGH-23/2026-27 **Date- 25.11.2026**

G. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money (Rs.)	Cost of BOQ (Rs.)	Time of Completion
1.	Repair of Civil work of Talatand Rural Water Supply Scheme of Patratu Block under D.W. & S Division, Ramgarh for the year 2026-27.	301037.00	6100.00	750.00	1 Month
2.	Repair of Civil work of Katiya Rural Water Supply Scheme of Patratu Block under D.W. & S Division, Ramgarh for the year 2026-27.	323878.00	6500.00	750.00	1 Month
3.	Repair of Civil work Lodhma DC Office Rural Water Supply Scheme of Ramgarh Block under D.W. & S Division, Ramgarh for the year 2026-27.	828873.00	16600.00	1250.00	1 Month
4.	Repair of Civil work Bagrai-Bhaipur Rural Water Supply Scheme of Dulmi Block under D.W. & S Division, Ramgarh for the year 2026-27.	856512.00	17200.00	1250.00	1 Month
5.	Repair of Civil work Sikni-Hohad Rural Water Supply Scheme of Dulmi Block under D.W. & S Division, Ramgarh for the year 2026-27.	775652.00	15600.00	1250.00	1 Month
a	Date & Time for Sale of Tender Doc.	02.12.2026/11:00 A.M. to 08.12.2026 up to 02:00 PM			
b	Last date Receiving /Time for receipt Earnest Money & Cost of BOQ & Tender Doc. (Hard Copy)	09.12.2026/ up to 02:00 PM			
c	Place for receiving tender fee & EMD (Hard Copy)	Office of the Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh.			
d	Date of Opening of Tender	10.12.2026/ 11:00 AM			
e	Place of Opening Tender	Office of the Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh.			
f	Name & Address of Tender inviting Authority	Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ramgarh			
g	Contact No. of Procurement Office	06553-223193			

विस्तृत जानकारी प्रमंडलीय कार्यालय के सूचना पट्ट/प्रमंडलीय कार्यालय अथवा वेबसाईट **dwsd.jharkhand.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है।

–:: जल ही जीवन है ::–

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,रामगढ

PR 394614 Drinking Water and Sanitation(26-27).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सूर्य जैसा वैभव

यह कल्पना से परे है कि कोई पंद्रह वर्षीय किशोर क्रिकेट के खेल में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक बना दे। इतना ही नहीं, 28 बॉल में शतक भी जड़ दे। साथ ही सबसे तेज 150 रन महज 40 गेंदों में बना डाले। एक पारी में 28 छक्कों का अविश्वसनीय कारनामा। यानी 204 रनों की पारी में 168 रन सिर्फ छक्कों से बटोर लिए, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड हैं। ये कारनामा मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट के दोहा में हुए एक मैच में कर दिखाया। कहा जा रहा है कि इस टीनएजर ने क्रिकेट को वीडियो गेम बना डाला। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं ,आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है। यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी। कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। क्रिकेट समीक्षक सोलह साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में मौका देने और उसके बाद उनकी अप्रत्याशित कामयाबी का जिक्र भी करते हैं। निस्संदेह, ऐसे में विरले ही सामने आने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को मानसिक संबल देने की जरूरत होगी। वैभव जैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते हुए बेतहरीन खेल रहे हैं तो उसी अनुपात में उन्हें अच्छे अवसर भी मिलने चाहिए। आईपीएल सीजन 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करना उनकी प्रतिभा को ही दशार्ता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें। उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी। सुखद है कि दोहा के मंगलवार के मैच में जितने छक्के वैभव ने लगाये, कोई पूरी टीम भी उतने छक्के नहीं लगा सकती। कहा जा रहा है कि यह रिकॉर्ड तो सिर्फ वैभव ही तोड़ सकते हैं क्योंकि वे एक नैसर्गिक प्रतिभा के धनी है। निस्संदेह, जिस प्रतिष्ठा व उपलब्धि को क्रिकेटर सालों खेलने के बाद पाते हैं, उसे उन्होंने किशोरावस्था में ही पा लिया

तीर्थ बने तनाव मुक्ति द्वार

पूरी दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचैन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलतः गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी धर्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं। सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक-दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े-बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचैन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचैन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचैन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते।

भारत-नेपाल संबंध : भरोसे की नई उम्मीद, चुनौतियां बरकरार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बालेन्द्र शाह के बीच हुई बातचीत तथा 'विकसित भारत और समुन्नत नेपाल' के संयुक्त दृष्टिकोण ने यह संकेत दिया है कि दोनों देश पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप साझेदारी विकसित करना चाहते हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और नेपाल के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक रिश्ते नहीं हैं बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था, सामाजिक निकटता और साझा सभ्यतागत चेतना से जुड़े हैं। हिमालय की ऊंची चोटियों से लेकर गंगा के मैदानों तक फैले इन संबंधों की अपनी विशिष्ट पहचान है। दोनों देशों के नागरिकों के बीच रोटी-बेटी के रिश्ते, खुली सीमा, धार्मिक यात्राएं और आर्थिक निर्भरता इस साझेदारी को अन्य पड़ोसी संबंधों से अलग बनाती हैं। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों में सीमा विवाद, संधियों की समीक्षा, राजनीतिक अविश्वास और चीन की बढ़ती सक्रियता ने भारत-नेपाल संबंधों में कई जटिलताएं पैदा की हैं। ऐसे समय में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की 22-23 नवंबर की पहली राजकीय भारत यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों में नई शुरूआत के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बालेन्द्र शाह के बीच हुई बातचीत तथा 'विकसित भारत और समुन्नत नेपाल' के संयुक्त दृष्टिकोण ने यह संकेत दिया है कि दोनों देश पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप साझेदारी विकसित करना चाहते हैं। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारत और नेपाल के संबंधों को केवल ऐतिहासिक भावनाओं के आधार पर नहीं बल्कि आर्थिक सहयोग, समान सम्मान, पारस्परिक विश्वास और व्यावहारिक परिणामों के आधार पर आगे बढ़ाना होगा। इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि 15 हजार करोड़ रुपये के विकास सहयोग पैकेज की घोषणा है। इसमें 3500 करोड़ रुपये अनुदान सहायता के रूप में नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण और नई आधारभूत संरचनाओं के विकास के लिए दिए जाएंगे, जबकि 11,500 करोड़ रुपये ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए ऋण सुविधा के रूप में उपलब्ध कराए जाएंगे। अगस्त 2026 में आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई थी। सड़कें, पुल, घर और आजीविका के साधन बुरी तरह प्रभावित हुए। ऐसे में भारत की आर्थिक सहायता केवल वित्तीय सहयोग नहीं बल्कि संकट के समय पड़ोसी के साथ खड़े होने का संदेश भी है। हालांकि इस सहायता की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि धनराशि समय पर उपलब्ध हो और परियोजनाएं पारदर्शिता के साथ पूरी हों।

दोनों देशों ने संबंधों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण सहमति भी व्यक्त की है। वर्ष 1950 की शांति और मैत्री संधि सहित पुराने द्विपक्षीय समझौतों की पारस्परिक सहमति से समीक्षा कर अद्यतन कानूनी ढांचा तैयार करने की बात इस यात्रा का महत्वपूर्ण राजनीतिक पक्ष है। नेपाल में लंबे समय से यह मांग उठती रही है कि स्वतंत्रता के बाद बदल चुकी परिस्थितियों के अनुसार भारत के साथ संबंधों की कानूनी और राजनीतिक व्यवस्था का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। नेपाल की संप्रभुता, समानता और स्वतंत्र विदेश नीति की आकांक्षाओं को समझना भारत के लिए भी आवश्यक है। किसी भी संधि का उद्देश्य दोनों देशों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए, न कि किसी एक पक्ष में असंतोष पैदा करना। इस दिशा में आपसी सहमति से आगे बढ़ना संबंधों को नई मजबूती दे सकता है।

कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अयोध्या और जनकपुर के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा की शुरूआत धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई गति देगी। जनकपुर माता सीता की जन्मभूमि के रूप में प्रतिष्ठित है, जबकि अयोध्या भगवान श्रीराम की नगरी है। दोनों स्थानों के बीच सीधा रेल संपर्क धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ व्यापार और जनसंपर्क को भी बढ़ावा देगा। इसके अतिरिक्त भारत के धारचूला और नेपाल के दार्चुला के बीच मोटर योग्य पुल का उद्घाटन सीमावर्ती क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाएगा। नेपाल के पारगमन व्यापार के लिए कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह और पारादीप बंदरगाह तक अतिरिक्त पहुंच उपलब्ध कराने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। इससे नेपाल की समुद्री व्यापार के लिए भारतीय मार्गों पर निर्भरता को अधिक विकल्पों के साथ व्यवस्थित किया जा सकेगा।

ऊर्जा सहयोग इस यात्रा का एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम है। नेपाल जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाओं वाला देश है, जबकि भारत को स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकता है। 669 मेगावाट की लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना की आधारशिला इस साझेदारी को नई दिशा दे सकती है। मोतिहारी-अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन के दूसरे चरण को भी जनता को समर्पित किया गया। इसके अतिरिक्त झापा में पेट्रोलियम टर्मिनल और सिलीगुड़ी-झापा पाइपलाइन की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमति बनी। यदि इन परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा किया जाता है तो नेपाल की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और भारत को भी क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग का लाभ मिलेगा। शिक्षा, प्रौद्योगिकी और संस्थागत सहयोग को लेकर भी सकारात्मक पहल हुई है। नेपाल में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का अपतटीय परिसर स्थापित करने की सहमति तथा विभिन्न क्षेत्रों में आठ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच ज्ञान और कौशल आधारित साझेदारी को आगे बढ़ाएगा। कृषि, स्वास्थ्य, अनुसंधान, प्रशासनिक प्रशिक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग से संबंधों का दायरा केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आम नागरिकों के जीवन तक पहुंचेगा। इन उपलब्धियों के बीच यह स्वीकार करना भी जरूरी है कि भारत-नेपाल संबंधों की सबसे पुरानी और संवेदनशील समस्याओं का समाधान अभी बाकी है। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर सीमा विवाद दोनों देशों के बीच अविश्वास का बड़ा कारण बना हुआ है। वर्ष 2020 में नेपाल द्वारा नया राजनीतिक नक्शा जारी किए जाने के बाद यह विवाद गहरा गया था। इन क्षेत्रों पर दोनों देशों के अलग-अलग दावे हैं। किसी भी आर्थिक समझौते या विकास परियोजना से इस ऐतिहासिक विवाद का स्वतः समाधान नहीं हो सकता। दोनों देशों को कूटनीतिक संयम के साथ तथ्यात्मक और ऐतिहासिक आधार पर बातचीत करनी होगी। नेपाल की एक अन्य चिंता भारत के साथ व्यापार असंतुलन है। नेपाल का आयात भारत से होने वाले निर्यात की तुलना में काफी अधिक है। समुद्र तक सीधी पहुंच नहीं होने के कारण नेपाल का विदेशी व्यापार भारतीय पारगमन मार्गों पर निर्भर करता है। इसलिए भारत को नेपाल के उत्पादों के लिए अपने बाजार में अधिक अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। सीमावर्ती क्षेत्रों में निर्यातोन्मुख विशेष आर्थिक क्षेत्र विकसित करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। चीन का बढ़ता प्रभाव भी इस रिश्ते की एक बड़ी चुनौती है। नेपाल अपनी भौगोलिक स्थिति और आर्थिक आवश्यकताओं के कारण भारत तथा चीन दोनों के साथ संबंध बनाए रखना चाहता है। चीन द्वारा निर्मित पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इस बढ़ती आर्थिक सक्रियता का उदाहरण है। भारत को नेपाल की स्वतंत्र विदेश नीति का सम्मान करते हुए यह समझना होगा कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध भरोसे और सहयोग से मजबूत होते हैं। नेपाल को भी अपनी रणनीतिक आवश्यकताओं के बीच भारत के साथ ऐतिहासिक निकटता और पारस्परिक हितों को संतुलित रखना होगा। हवाई संपर्क का प्रश्न भी अभी पूरी तरह सुलझा नहीं है। नेपाल लंबे समय से अपने भैरहवा और पोखरा हवाई अड्डों के लिए अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय हवाई मार्गों की मांग करता रहा है। यात्रा के दौरान काठमांडू-भैरहवा-लखनऊ के मौजूदा हवाई मार्ग को दोतरफा बनाने पर सहमति बनी है लेकिन अन्य प्रस्तावों पर तकनीकी बातचीत जारी रहेगी।

'वंदे मातरम' पर तौबा करने वाले मजहबी ठेकेदारों से सवाल- मातृभूमि से ऊपर मजहब कैसे?

वस्तुतः यह उस धरती के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का भाव है, जिसने मनुष्य को जीवन दिया है। निश्चित रूप से धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए, पर उसके नाम पर मातृभूमि के प्रति सम्मान जताने वालों को अपराधबोध से भरना कहां तक उचित है? नहीं। किसी व्यक्ति का राष्ट्रीय गीत के सम्मान में खड़ा होना और उसके लिए बाद में उसे तौबा करने पर विवश किया जाना दो अलग-अलग विषय हैं।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

श्रीनगर में वक्फ बोर्ड के एक सरकारी समारोह में 'वंदे मातरम' बजा। उपस्थित इमामों और उलेमाओं में से कुछ सम्मान प्रकट करने के लिए खड़े हुए। इसके बाद जब इस घटना के वीडियो सामने आए तो कुछ मजहबी प्रमुखों ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और तौबा करने के साथ कलमा पढ़कर अपने ईमान की पुष्टि करने की बात कही। यह घटनाक्रम अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। आखिर हुआ क्या था? उन्होंने किसी की धार्मिक उपासना की थी या अपने देश के राष्ट्रीय गीत के सम्मान में खड़े हुए थे? क्या अपनी जन्मभूमि के प्रति सम्मान प्रकट करना भी अब ईमान के लिए खतरा बन गया है?

जरा उन लोगों से पूछिए, जिन्होंने इन मजहबी (धर्मगुरुओं) को अपने इस आचरण के लिए माफी मांगने पर विवश किया, क्या भारत उनकी मातृभूमि नहीं है? क्या वे इस देश की मिट्टी में जन्मे नहीं हैं? क्या इसी देश का अन्न खाकर उनका शरीर नहीं बना? क्या इसी देश की हवा में सांस लेकर उनका जीवन आगे नहीं बढ़ा? और सबसे बड़ा प्रश्न तो यह उपजता है कि क्या मृत्यु के बाद उनका शरीर भी इसी धरती में नहीं मिल जाएगा? फिर इतना जानने-समझने के बाद भी इस मातृभूमि के सम्मान में खड़े होने पर इतना संकट क्यों? क्या किसी राष्ट्रीय गीत के सम्मान में खड़े होने का अर्थ यह है कि व्यक्ति ने अपनी धार्मिक मान्यता बदल ली?

वास्तव में यह उस मानसिकता पर सवाल है जो कथित इस्लाम की संकीर्ण व्याख्या के सहारे राष्ट्रीय सम्मान और मजहबी आस्था को आमने-सामने खड़ा करने का प्रयास करती है।ह्यवंदे मातरम्ह्ण को लेकर आपत्ति करने वालों को सबसे पहले इसके भाव और संदर्भ को समझना चाहिए। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की इस कालजयी रचना के शुरूआती दो छंदों में मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता, उसके जल, फल, हरियाली और शीतल हवाओं का वर्णन है। जिस देवी स्वरूप का वर्णन है, वह भी उनके हाथ, पैर ज्ञान, विज्ञान हम सभी से निर्मित लोक है।

वस्तुतः यह उस धरती के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का भाव है, जिसने मनुष्य को जीवन दिया है। निश्चित रूप से धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए, पर उसके नाम पर मातृभूमि के प्रति सम्मान जताने वालों को अपराधबोध से भरना कहां तक उचित है? नहीं। किसी व्यक्ति का राष्ट्रीय गीत के सम्मान में खड़ा होना और उसके लिए बाद में उसे तौबा करने पर विवश किया जाना दो अलग-अलग विषय हैं।

वतन से मोहब्बत इस्लाम के विरुद्ध कैसे है?

इस्लाम की चर्चा करने वाले मजहबी उलेमाओं को यह भी याद रखना चाहिए कि मातृभूमि से प्रेम की भावना इस्लामी परंपरा से अपरिचित नहीं है। 'हुब्बुल वतन' अर्थात वतन से प्रेम की अवधारणा मुस्लिम समाज में लंबे समय से प्रचलित है। 'हुब्बुल वतन मिनल ईमान' पैगंबर मोहम्मद की प्रमाणित हदीस भले ही न हो, किंतु इसे एक प्रसिद्ध सूक्ति माना जाता है। पैगंबर मोहम्मद के मक्का से मदीना हिजरत करने के प्रसंग में अपनी जन्मभूमि मक्का के प्रति उनके लगाव का उल्लेख मिलता है। फिर भारत में जन्म लेने वाले मुसलमानों को अपनी जन्मभूमि से प्रेम करने और उसके सम्मान में खड़े होने में कैसी परेशानी होनी चाहिए? क्या भारत उनके लिए अपना देश नहीं है? क्या इस देश की सुरक्षा, समृद्धि और प्रतिष्ठा में उनका कोई दायित्व नहीं है? क्या उनकी संतानों का भविष्य इसी देश से नहीं जुड़ा है?

इस्लाम के नाम पर मातृभूमि के सम्मान को संदेह के घेरे में खड़ा करने वालों को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास भी पढ़ना चाहिए। अशफाक उल्ला खान जैसे क्रांतिकारियों ने भारत की स्वाधीनता के लिए फांसी का फंदा चूमा। उनके लिए देश की स्वतंत्रता किसी मजहबी पहचान से अधिक मातृभूमि के स्वाभिमान का प्रश्न थी। अनेक मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों ने राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। क्या आज उनकी विरासत को भूलकर इस्लामिक मजहबी संकीर्णता को बढ़ावा देना उचित है?

इस श्रीनगर की घटना का सबसे विचारणीय पक्ष यही है कि कुछ मजहबी उलैमा, मौलवी पहले राष्ट्रीय गीत के सम्मान में खड़े हुए और उसके बाद सार्वजनिक रूप से माफी मांगने तथा तौबा करने लगे। मौलाना फारूक सहित कुछ उलेमाओं ने तो वीडियो संदेश में अपनी कार्रवाई पर प्रायश्चित की बात कही और कलमा पढ़ने का उल्लेख किया। दूसरी ओर, मुत्तहिदा मजलिस-ए-उलेमा ने वक्फ बोर्ड के कार्यक्रम में गीत बजाए जाने पर आपत्ति जताई और इसे तौहीद के सिद्धांत से जोड़कर देखा।

क्या इन मजहबी मौलवीयों को यह नहीं समझना चाहिए कि उनकी कही गई बात का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। यदि वे अपनी इस्लामिक व्याख्या के माध्यम से लोगों में यह धारणा पैदा करेंगे कि राष्ट्रीय गीत के सम्मान में खड़ा होना भी गुनाह है, तो इससे धार्मिक समुदाय और राष्ट्रीय समाज के बीच अनावश्यक दूरी बढ़ेगी।

यह सच है कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अनुच्छेद 25 के अंतर्गत अंतःकरण की स्वतंत्रता और धर्म के पालन का अधिकार देता है। किसी को भी उसकी धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध कोई गीत गाने के लिए विवश नहीं किया जाना चाहिए। मगर धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ यह भी नहीं है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को लेकर समाज में वैमनस्य पैदा किया जाए। देश के प्रति सम्मान, संविधान के प्रति निष्ठा और राष्ट्रीय एकता की भावना नागरिक जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं। किसी गीत को गाने और राष्ट्रगीत के सम्मान में खड़े होने के बीच अंतर है।

यह भारत है। यहां मंदिरों में आरती होती है, मस्जिदों में अजान गूंजती है, गुरुद्वारों में गुरुवाणी का पाठ होता है और ईसाई घरों में प्रार्थनाएं होती हैं। अलग-अलग धर्म, मत, पंथ, संप्रदायों और परंपराओं के बावजूद सभी की मातृभूमि एक है। यहां रहने वाले प्रत्येक नागरिक का सुख-दुख, सुरक्षा और भविष्य इस देश से जुड़ा है। फिर ऐसी धार्मिक व्याख्याओं को प्रोत्साहन क्यों दिया जाए, जो लोगों को अपनी राष्ट्रीय पहचान के प्रति असहज बनाती हैं? ऐसे में भारत के मुसलमानों को यह समझना होगा कि मृत्यु के बाद न कोई मौलवी होगा, न ही कोई राजनीतिक पदाधिकारी। अंततः शरीर इसी मिट्टी में मिलना है। फिर इसी मिट्टी के सम्मान में खड़े होने से परहेज कैसा? अतः यह समझें कि धर्म व्यक्ति की आस्था है, मातृभूमि उसके अस्तित्व की आधारभूमि। धर्म का सम्मान कीजिए, अपनी इबादत और उपासना कीजिए, किंतु मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता को मजहबी विवाद का विषय मत बनाइए। जो धरती जन्म देती है, पालन-पोषण करती है और जीवन के बाद अपने भीतर समेट लेती है, उसके प्रति सम्मान जताना किसी धर्म (मजहब) का अपमान बिल्कुल भी नहीं जो सकता है। वास्तव में तो 'वंदे मातरम' का भाव एक लोकतांत्रिक समाज में प्रत्येक नागरिक को कृतज्ञता के भावों से भर देने का उद्घोष है।

हिमाचल के चामुंडा देवी मंदिर का अद्भुत रहस्य, सपने में आकर मां ने खुद बताई थी जगह

हिमाचल प्रदेश में स्थित चामुंडा देवी मंदिर प्रमुख मंदिरों में से एक माना जाता है। चामुंडा देवी मंदिर पालमपुर से करीब 19 किमी दूर है। यह मंदिर अटूट आस्था और प्राकृतिक सुंदरता का अनोखा संगम है। चामुंडा देवी मंदिर से कई धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। एक अत्यंत प्रसिद्ध शक्तिपीठ है, जो माता चामुंडा को समर्पित है। यह स्थान प्राकृतिक सुंदरता से घिरा है। मां चामुंडा के दर्शन के लिए हर रोज हजारों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चामुंडा देवी मंदिर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

मंदिर की मुख्य खासियत

वहीं 16वीं शताब्दी में चामुंडा देवी



का यह मंदिर बनाया गया था। यह मंदिर बनेर नदी के किनारे स्थित है और इसके पीछे धौलाधार पर्वतमाला की बर्फ से ढकी चोटियां बेहद खूबसूरत नजारा पेश करती हैं। इस मंदिर के पीछे एक प्राकृतिक गुफा भी है, जिसको शिव और शक्ति का निवास स्थान माना जाता है।

इस प्राकृतिक गुफा में नंदीकेश्वर महादेव का शिवलिंग है, जिसके दर्शन मात्र के भक्त दूर-दूर से आते हैं। इसलिए इस मंदिर को चामुंडा नंदीकेश्वर धाम के नाम से भी जाना जाता है। वहीं मंदिर के दोनों ओर भैरव जी और हनुमान जी की प्रतिमा बनी है। माना जाता है कि यह दोनों देवी चामुंडा के प्रतिनिधि हैं।

यहां नहीं था चामुंडा देवी का मंदिर

बता दें कि यह मंदिर धौलाधार पर्वत श्रृंखला पर 16 किमी ऊंची चढ़ाई पर था। जहां पहुंच पाना काफी मुश्किल था। भक्तों की इस मुश्किल को हल करने के लिए राजा और एक पुजारी ने देवी मां से प्रार्थना की कि वह मंदिर को आसानी से पहुंच सकने वाली जगह पर स्थापित किए जाने की अनुमति दें। तब पंडित के सपने में देवी मां ने अपनी सहमति दी। उन्होंने पुजारी को वर्तमान स्थल पर खुदाई करके मूर्ति निकालने का निर्देश दिया। फिर पुजारी ने यह बात राजा को बताया। खुदाई किए जाने पर वहां देवी की मूर्ति मिली। लेकिन राजा के सिपाही इस मूर्ति को उठा न सके। जिसके बाद देवी पंडित के सपने में फिर से प्रकट हुईं और निर्देश दिया कि वह खुद जाकर उस मूर्ति की स्थापना करें। इस तरह से वर्तमान जगह पर चामुंडा मंदिर स्थापित हुआ।

पौराणिक कथा

माना जाता है कि हजारों साल पहले चण्ड और मुण्ड नामक दो शक्तिशाली राक्षस थे, जो इस क्षेत्र में आतंक मचा रहे थे। तब देवी ने काली रूप लेकर भीषण युद्ध में दोनों राक्षसों का वध कर दिया था। इसी वजह से देवी के इस स्वरूप को चामुंडा के नाम से पूजा जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

विजेता खिलाड़ियों को दी गई बधाई



साहिबगंज : झारखंड वूशु संघ, रांची के ततत्वावधान में रांची के ठाकुर विश्वनाथ सहदेव इनडोर स्टेडियम में 20 से 25 नवंबर तक आयोजित स्मिता झारखंड राज्य स्तरीय वूशु चैंपियनशिप में जिले केखिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण ,तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीता।स्वर्ण,सुषमा कुमारी 60किलो वर्ग,रजत लुखी कुमारी 48 किलो वर्ग,
सुप्रिया कुमारी 56 किलो वर्ग,मीनू कुमारी 52 किलो वर्ग,कांस्य शिवानी कुमारी 56 किलो वर्ग सब जूनियर वर्ग,सोनाली कुमारी 39 किलो वर्ग जूनियर बालिका वर्ग में ,राधिका कुमारी 60 किलो वर्ग,पूनम कुमारी 56 किलो वर्ग एवं ब्यूटी मालतो 56 किलो वर्ग पदक अपने नाम किया।जिला वूशु संघ,साहिबगंज के सचिव सह प्रशिक्षक मृतुन्जय राय एवं सरताज, ललन कुमार के नेतृत्व में जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। विजेता खिलाड़ियों को उपायुक्त जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार और जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि



साहिबगंज : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा साहिबगंज के जिलाध्यक्ष शाहजहां काजू के नेतृत्व में गुरुवार को साहिबगंज रेलवे स्टेशन के सामने स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई।इस दौरान मोर्चा के कार्यकताओं ने डॉ.अंबेडकर के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।मौके पर जिलाध्यक्ष शाहजहां काजू ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के वंचित,शोषित और पिछड़े वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि संविधान निमार्ता के रूप में डॉ.अंबेडकर ने देश को समानता,स्वतंत्रता और न्याय का मार्ग दिखाया।उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।उन्होंने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा डॉ.अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रहा है।समाज के सभी वर्गों को एक साथ लेकर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।कार्यक्रम में पूर्व मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद आलम,जिला महामंत्री कैयुम अकरम,मो.गयासुद्दीन चुन्ना,मोहम्मद नजरुल मो.सरफराज मो.अब्बास सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाबालिग को भगाने के मामले में यूपी से आरोपी गिरफ्तार भेजा गया जेल

साहिबगंज/उधवा : नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में राधानगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने मामले में फरार चल रहे आरोपी को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कटघर निवासी अरसलान शेख के रूप में हुई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते 13 नवंबर को नाबालिग की मां ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर अपनी बेटी को भगाने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने थाना कांड संख्या 396/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुसंधानकर्ता एसआई अखिलेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी एवं अन्य माध्यमों से जानकारी जुटाते हुए उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के कटघर में छापेमारी की। इस दौरान आरोपी अरसलान शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने नाबालिग को भी सकुशल बरामद कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अधिकारों और कर्तव्यों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है : रोहित कुमार



साहिबगंज/उधवा : संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को उधवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर एवं राधानगर थाना में संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। प्रखंड कार्यालय में सीओ आशीष कुमार एवं बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने अधिकारियों और कर्मियों को शपथ दिलाई। वहीं राधानगर थाना में थाना प्रभारी रोहित कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को संविधान के मूल्यों और आदर्शों के पालन की शपथ दिलाई। इस दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि संविधान में निहित मूल्यों अधिकारों और कर्तव्यों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। जबकि 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। मौके पर प्रखंड-अंचल कार्यालय के कर्मियों सहित राधानगर थाना के पुलिस पदाधिकारी सशस्त्र बल एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बम निष्क्रियकरण से लेकर एयर स्ट्राइक की स्थिति तक का जीवंत अभ्यास बचाव और राहत कार्यों का हुआ प्रभावी प्रदर्शन

आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई विभागीय समन्वय व जनसुरक्षा सुनिश्चित करने की तैयारियों को मिला व्यावहारिक परीक्षण

संवाददाता



साहिबगंज : नागरिक सुरक्षा व आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ सक्रिय व प्रभावी बनाने की दिशा में जिला प्रशासन, साहिबगंज द्वारा आज सिविल डिफेंस एयर रेड ब्लैक आउट मॉक ड्रिल द्वितीय मॉक अभ्यास का सफल आयोजन किया गया। गृह कारा आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार अपराह्न 04:30 बजे से आयोजित इस अभ्यास में संभावित आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की प्रशासनिक व सुरक्षा तैयारियों का व्यापक परीक्षण किया गया।मॉक ड्रिल के लिए साहिबगंज नगर परिषद कार्यालय व आसपास के क्षेत्र तथा सदर अस्पताल-सह-बस स्टैंड परिसर को चिह्नित किया गया था। निर्धारित परिदृश्य के अनुरूप सर्वप्रथम नगर परिषद कार्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में बम निरोधक दस्ते द्वारा बम को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। इसके पश्चात बस स्टैंड एवं आसपास के क्षेत्र में एयर स्ट्राइक जैसी आपातकालीन स्थिति का परिदृश्य तैयार कर बचाव व राहत संबंधी गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। अलर्ट से एक्शन तक आपातकालीन प्रतिक्रिया का व्यावहारिक परीक्षण अभ्यास के दौरान आपातकालीन चेतावनी एवं अलर्ट प्रणाली सुरक्षा प्रोटोकॉल सुरक्षित स्थानों तक पहुंचने, बचाव एवं राहत कार्यों, प्राथमिक चिकित्सा सूचना के त्वरित आदान-प्रदान जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का अभ्यास किया गया। विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों सुरक्षा बलों ने निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुरूप सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान आपसी समन्वय त्वरित निर्णय क्षमता एवं उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग की तैयारियों को भी परखा गया।

सुरक्षित नागरिक सक्षम प्रशासन आपदा प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य केवल आपातकालीन परिस्थितियों का पूर्वाभ्यास करना ही नहीं, बल्कि किसी भी अप्रत्याशित चुनौती के समय जान-माल की सुरक्षा त्वरित बचाव व राहत कार्यों तथा प्रशासनिक तत्परता को सुनिश्चित करना भी है। इस प्रकार के नियमित अभ्यास से संबंधित विभागों की कार्यक्षमता बढ़ती है तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित होती है।जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित मॉक ड्रिल को गंभीरता से लें, आपातकालीन चेतावनी संकेतों के प्रति सजग रहें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों में लगे कर्मियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।मॉक ड्रिल के दौरान अपर समाहर्ता विजय कुमार, नजारत उपसमाहर्ता श्री प्रमोद आनंद कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह अंचलाधिकारी साहिबगंज बासुकीनाथ टुडू, सीडीपीओ साहिबगंज सुशील कुमार, भूमि संरक्षण पदाधिकारी श्री राहुल गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एनसीसी स्काउट व गाइड के छात्र-छात्रा एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

ब्लड बैंकों में जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग करना था : प्रबल गर्ग

वन प्रमंडल साहिबगंज में रक्तदान शिविर का आयोजन 60 से अधिक लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

संवाददाता



साहिबगंज : संविधान दिवस के अवसर पर दिनांक 26 नवम्बर 2026 को वन प्रमंडल साहिबगंज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष वन प्रमंडल कार्यालय में इससे पूर्व आयोजित शिविर में 50 यूनिट रक्त संग्रह किया गया था जबकि इस बार 60 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस पहल का उद्देश्य आमजन में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अस्पतालों ब्लड बैंकों में जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग करना था।इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग ने कहा कि रक्तदान केवल एक मानवीय कार्य ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है। अस्पतालों में भर्ती मरीजों, दुर्घटना पीड़ितों तथा अन्य जरूरतमंद लोगों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना कई बार जीवन बचाने के लिए अत्यंत आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं योग्य व्यक्तियों को आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है और ऐसे समय में स्वैच्छिक रक्तदाताओं का योगदान अमूल्य होता है।वही वन विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही। वन प्रमंडल, साहिबगंज की इस पहल में वन विभाग के कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। साथ ही, पुलिस विभाग एवं समाहरणालय के पदाधिकारियों और कर्मियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं सामूहिक प्रयास ने इस आयोजन को जनसहभागिता पर आधारित एक सार्थक सामाजिक पहल बनाया।वन प्रमंडल, साहिबगंज की ओर से सभी रक्तदाताओं, पुलिस विभाग एवं समाहरणालय के पदाधिकारियों और कर्मियों, चिकित्सा दल तथा आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

गांव-गांव तक बाबा साहब के विचारों को पहुंचाना है : अनुराग राहुल



संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज ग्रामीण मंडल की ओर से गुरुवार को हाजीपुर पश्चिम स्थित भारत रत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर स्मारक पर संविधान गौरव दिवस श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने करते हुए भाजपा कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उनके विचारों एवं आदर्शों को नमन किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने कहा कि बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर ने देश को संविधान देकर प्रत्येक नागरिक को समानता स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान किया।उनका संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक के अधिकारों का आधार है।इसकी रक्षा करना हम सभी का दायित्व है।गांव-गांव तक बाबा साहब के विचारों को पहुंचाना ही इस दिवस का वास्तविक उद्देश्य है।वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि भारतीय संविधान ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर दिया है।गरीब,दलित,पिछड़े और वंचित वर्गों को अधिकार संपन्न बनाने में बाबा साहब का योगदान अविस्मरणीय है।उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सपनों का भारत बनाने के लिए संविधान के मूल्यों को आत्मसात करना और उनके आदर्शों पर चलना आवश्यक है।कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री ओम प्रकाश पांडे ने किया।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया तथा संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।इस दौरान युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार,पूर्व जिला मंत्री मनोज यादव,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अरविंद गुप्ता,मंडल उपाध्यक्ष पवन यादव एवं अमरनाथ चौधरी,मंडल मंत्री शंभू रजक,करण यादव,होरिल मंडल, विजय रविदास,आलोक कुमार, उज्ज्वल कुमार,नीरज कुमार सिंह,गौतम पंडित,मुकेश कुमार,रंजन कुमार,राजबली कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

बंद घर का ताला तोड़कर लाखों के सामान पर हाथ साफ

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण सरफराजगंज पंचायत में चोरी की घटना से इलाके में हलचल मच गई है। यहां अज्ञात चोरों ने एक विधवा महिला के बंद घर को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर घर में रखे कीमती सामानों की चोरी कर ली। घटना के बाद पीड़िता ने राधानगर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता के अनुसार, सोमवार को वह अपनी बेटी के साथ मायके गई हुई थी। इसी दौरान घर को सुनसान पाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। मंगलवार को वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर सोने के जेवरात, नकदी तथा जमीन से संबंधित जरूरी कागजात गायब मिले।महिला ने अपने आवेदन में गांव के ही हसन शेख पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह पिछले एक महीने से उस पर शादी करने का दबाव बना रहा था। शादी से इनकार करने के बाद उसे कथित रूप से मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। पीड़िता ने पूरे मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जाति आधारित जनगणना आरक्षण रोजगार और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर उठाई आवाज

बहुजन समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प

संवाददाता



साहिबगंज : संविधान दिवस के अवसर पर मूलनिवासी संघ की ओर से देशव्यापी कार्यक्रम के तहत साहिबगंज में भी विभिन्न जनसमस्याओं और सामाजिक अधिकारों को लेकर आवाज बुलंद की गई।इस दौरान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने ओबीसी एससी एसटी व अल्पसंख्यक समाज के सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक और राजनीतिक अधिकारों की सुरक्षा तथा उन्हें न्याय दिलाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा।इस मौके पर संघ के जिला अध्यक्ष अनूप लाल हरि ने कहा कि संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता,स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार दिया है।लेकिन भी समाज के वंचित शोषित और पिछड़े वर्गों को उनके अधिकारों का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।जाति आधारित जनगणना कराकर जनसंख्या के अनुपात में सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना समय की मांग है।उन्होंने कहा कि मूलनिवासी संघ फुले-शाहू-अंबेडकर की विचारधारा से प्रेरित होकर बहुजन समाज के अधिकार,सम्मान और सामाजिक न्याय के लिए लगातार संघर्ष करता रहेगा।वहीं जिला प्रभारी बालदेव उरांव ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक शिक्षा, स्वास्थ्य रोजगार और सामाजिक सुरक्षा की सुविधाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण से बच्चों की मौत रोकने आदिवासी महिलाओं की शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा मजदूरों को सालभर रोजगार और निर्धारित न्यूनतम मजदूरी उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने प्रशासन से मांग पत्र में शामिल सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार कर उचित कार्रवाई करने की अपील की।संघ की ओर से सौंपे गए मांग पत्र में जाति आधारित जनगणना कराने जनसंख्या के अनुपात में सरकारी विभागों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने,न्यायपालिका में ओबीसी, एससी, एसटी एवं अल्पसंख्यक वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक आयोग गठित करने तथा आरक्षण व्यवस्था लागू करने की मांग की गई।इसके अलावा इन वर्गों के सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए केंद्रीय बजट में अलग से पर्याप्त राशि का प्रावधान,सभी नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा,ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अस्पतालों की संख्या बढ़ाने,मजदूरों को सुरक्षा बीमा और सालभर रोजगार देने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को तत्काल भरने की मांग रखी गई।ज्ञापन में आउटसोर्सिंग एवं एनजीओ के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों की कम मजदूरी,स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी साप्ताहिक अवकाश सहित अन्य समस्याओं की जांच के लिए समिति गठित करने की मांग भी शामिल रही।इसके साथ ही मूलनिवासी महिलाओं पर अत्याचार, बाल मजदूरी तथा एससी,एसटी व ओबीसी वर्ग के लोगों के साथ हो रहे अन्याय पर चिंता जताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई।मौके पर अध्यक्ष अनूप लाल हरि,फूल कुमार रजक,जिला प्रभारी बालदेव उरांव,रोहित मलदार,अरुण यादव,कृष्ण देव मंडल,रामपुजण रजक,रणधीर चौरसिया, धर्मेंद्र उरांव, दिलीप कुमार, रामनारायण राव, रामाशीष यादव एवं रंजीत पासवान सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

धनुष और ममूटी की जोड़ी का

बॉक्स ऑफिस पर धमाका!



ओ.एम.- ऑपरेशन मोल ने शुरुआती वीकेंड में दुनियाभर में कमाए 100 करोड़ पार बॉलीवुड डेस्क। मुंबई राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी फिल्म ने महज तीन दिनों में दुनियाभर में 101.7 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया। हर तरफ शानदार कमाई, पॉजिटिव रिव्यू और दर्शकों के जबरदस्त रिस्पॉन्स ने फिल्म के शुरुआती वीकेंड को बना दिया खास। ओ.एम. - ऑपरेशन मोल ने रिलीज के शुरुआती तीन दिनों में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

फिल्म ने अपने शुरुआती वीकेंड में दुनियाभर में 101.7 करोड़ की शानदार कमाई दर्ज की। तमिल में बनी इस फिल्म को सिर्फ मूल भाषा में ही नहीं, बल्कि मलयालम, कन्नड़, तेलुगु और हिंदी में भी रिलीज किया गया, जिसका फायदा इसे अलग-अलग क्षेत्रों में देखने को मिला। धनुष और ममूटी को पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर देखने की उत्सुकता सिनेमाघरों में भी साफ नजर आई।

दोनों सुपरस्टार्स की एंट्री और दमदार दृश्यों पर दर्शकों ने जमकर तालियां और सीटियां बजाईं। वहीं, साई अभ्यंकर के हिट संगीत ने फिल्म के माहौल में चार चांद लगा दिए। गानों से लेकर पार्श्व संगीत तक, हर चीज ने सिनेमाघरों में बैठे दर्शकों का जोश और बढ़ा दिया। शानदार अभिनय, जबरदस्त एक्शन और धमाकेदार संगीत का मेल फिल्म को एक शानदार सिनेमाई अनुभव बनाता है। फिल्म को मिले शानदार समीक्षाओं में कलाकारों के अभिनय और एक्शन दृश्यों के भव्य फिल्मांकन की खास तारीफ हुई है।



चोर निकल के भागा 2: फिल्म के दूसरे पार्ट का एलान

साल 2023 में आई फिल्म 'चोर निकल के भागा' की सफलता के बाद अब इसका दूसरा पार्ट 'चोर निकल के भागा 2' आने वाला है। फिल्म में एक बार फिर यामी गौतम और सनी कौशल की जोड़ी नजर आएगी। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन अजय सिंह कर रहे हैं। इस बार फिल्म की कहानी में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। जहां पहली फिल्म में हवाई जहाज के अंदर हीरे की चोरी की कहानी दिखाई गई थी, वहीं इसके दूसरे पार्ट में चोरी का खेल एक क्रूज शिप पर देखने को मिलेगा। इस बार कहानी का फोकस एक बेशकीमती मुकुट होगा।

कब और किस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी फिल्म?

नेटफ्लिक्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ऐलान करते हुए इसकी रिलीज डेट भी बताई है। 'चोर निकल के भागा 2' 17 दिसंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। मेकर्स ने फिल्म का एक पोस्टर भी जारी किया है।

वर्दी पहनना चाहती थीं सेलिना जेटली

किस्मत ने पहना दिया फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का ताज

अभिनेत्री सेलिना जेटली आज किसी कॉकपिट में बैठकर बादलों के बीच उड़ान भर रही होतीं या किसी अस्पताल के गलियारों में तेज कदमों से चल रही होतीं, तो शायद किसी को हैरानी न होती क्योंकि अभिनय की दुनिया में आने से पहले वह भारतीय वायुसेना की पायलट या डॉक्टर बनना चाहती थी लेकिन उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और वे बॉलीवुड की हीरोइन बन गईं। आइए जानते हैं कि सेना की वर्दी पहनने की चाह रखने वाली वाली एक साधारण सी लड़की ने कैसे ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा और बॉलीवुड की अदाकारा के तौर पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई। 24 नवंबर 1981 में हिमाचल प्रदेश में जन्मी अभिनेत्री सेलिना जेटली बॉलीवुड की उन अदाकारों में शुमार हैं, जिनका परिवार पीढ़ियों से देश की सेवा में योगदान देता आ रहा है। दरअसल, अभिनेत्री के पिता भारतीय सेना (कुमाऊं रेजिमेंट) में कर्नल थे और साल 1971 में भारत-पाक युद्ध में हिस्सा भी लिया था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनकी सुनने की शक्ति चली गई थी। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में भी सेवा दी थी और उनकी मां मीता सेना में नर्स रह चुकी हैं। उनके नाना भी भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में कर्नल के पद पर कार्यरत थे और उन्होंने 1962 व 1965 के युद्धों में भाग लिया था। वहीं, अभिनेत्री के भाई भारतीय सेना की विशिष्ट 3 पैरा स्पेशल फोर्सेज में मेजर के पद से सेवानिवृत्त हैं। वीरता के लिए उन्हें सेनाध्यक्ष (सीओएएस) प्रशंसा पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में वे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में लिए जाने के मामले को लेकर चर्चा में रहे हैं। माता- पिता के तबादलों के चलते अभिनेत्री सेलिना जेटली का बचपन देश के अलग-अलग हिस्सों में बीता, जिससे उन्हें कई भाषाओं और परिवेशों को समझने का मौका मिला। स्कूली शिक्षा खत्म होने के बाद अभिनेत्री ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य (कॉमर्स) में स्नातक किया। आर्मी के माहौल में पली-बढ़ी सेलिना बचपन में अपने पिता की तरह सेना में शामिल होना चाहती थीं, उन्होंने मन बना लिया था कि वह पायलट और डॉक्टर बनेंगी। इसके लिए वे मेडिकल (पीएमटी) और कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस) जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं।



'तुम सिर्फ मेरे बेटे नहीं, मेरे दिल का टुकड़ा हो'

उर्वशी ने लिखा है, 'मेरे प्यारे बेटों, जिनसे मैं ताउम्र प्यार करूंगी। कुछ फीलिंग्स ऐसी होती हैं, जिन्हें शब्दों में कभी नहीं बताया जा सकता। तुम्हारे लिए मेरा प्यार ऐसा ही है। तुम सिर्फ मेरे बेटे नहीं, मेरे दिल का टुकड़ा हो। तुम वही छोटे बच्चे हो, जिन्हें मैंने कभी अपनी बाहों में लिया था। वे युवा लड़के, जिन्हें मैंने बड़ा होते देखा है और वो दुआएं, जिनके लिए मैं हर दिन भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं। कभी-कभी मैं तुम्हें देखती हूं और सोचती हूं कि इतने साल कहां चले गए? तुम्हारे बचपन की यादें आज भी मेरे दिल में ताजा हैं। तुम कितने भी बड़े क्यों न हो जाओ, मेरा एक हिस्सा हमेशा उन छोटे चेहरों को दिखेगा। जानी-पहचानी आवाजों को सुनेगा। तुम्हें पास रखने की खुशी को याद रखेगा'।



'तुम दोनों के लिए मेरा प्यार कभी कम नहीं होगा'

चर्चित शो 'कसौटी जिंदगी की' में कमोलिका का रोल निभाकर उर्वशी ढोलकिया ने खूब लोकप्रियता बटोरी। आज भी लोग उनका असली नाम चाहें जानें या न जानें, मगर उन्हें देखते ही कमोलिका जरूर याद आ जाएगी। अभिनेत्री दो बच्चों की मां हैं। उन्होंने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में एक भावुक नोट लिखा है।

16 की उम्र में शादी 17 की उम्र में मां बनीं उर्वशी

उर्वशी ढोलकिया की शादी बहुत कम उम्र में हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 16 की उम्र में उन्होंने शादी कर ली थी। 17 की उम्र में उन्होंने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। हालांकि, उनकी शादीशुदा जिंदगी ज्यादा नहीं चली। 18 की उम्र में अभिनेत्री का तलाक हो गया था। अपने बेटों क्षितिज और सागर की परवरिश उन्होंने ही की है। सोमवार को उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बेटों के साथ कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इसके साथ दिल छूने वाला लंबा नोट लिखा है।

प्रभु देवा की फिल्म से तमिल सिनेमा में डेब्यू करेंगे विष्णु मंचू, बर्थडे पर हुआ ऐलान

मशहूर तेलुगु अभिनेता और निर्माता विष्णु मंचू जल्द ही फिल्मकार प्रभु देवा की आगामी तमिल-तेलुगु फिल्म 'वीएम24' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। सोमवार को प्रभु देवा ने विष्णु मंचू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए इस फिल्म में उनके साथ काम करने की आधिकारिक पुष्टि की। प्रभु देवा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विष्णु मंचू के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'मेरे हीरो और छोटे भाई विष्णु मंचू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। इस सेलिब्रेशन को 'वीएम24' के साथ और भी ज्यादा स्पेशल और रंगीन बना रहे हैं।

प्रभु देवा म विष्णु मंचू की फिल्म 'वीएम24'।' सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म के टाइटल, कहानी और बाकी कास्ट के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन दो बड़े नामों के एक साथ आने की वजह से ही इस प्रोजेक्ट ने पहले से ही सबका ध्यान खींच लिया है। इस फिल्म के जरिए प्रभु देवा लंबे अंतराल के बाद तेलुगु सिनेमा में निर्देशन के क्षेत्र में वापसी कर रहे हैं, जबकि अभिनेता विष्णु मंचू इस फिल्म के जरिए तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। विष्णु मंचू ने अपना करियर मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में बनाया है, जिसमें 'धी', 'देनीकैना रेडी', 'दूसुकेल्था' और 'गिन्ना' जैसी फिल्में शामिल हैं। वह आखिरी बार 'कन्नप्पा' में नजर आए थे, जो मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म थी। इसमें प्रभास, अक्षय कुमार और मोहनलाल जैसे बड़े स्टार्स थे।

क्राइस्टचर्च टेस्ट : पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर बनाए 246 रन, लैथम और ब्लंडेल के अर्धशतक

क्राइस्टचर्च। आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी के बावजूद टॉम लैथम और टॉम ब्लंडेल के अर्धशतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 246 रन बना लिए। लैथम ने शीर्ष क्रम में संयमित बल्लेबाजी करते हुए पारी की नींव रखी, जबकि दोपहर के सत्र में भारत के लगातार तीन विकेट लेने के बाद ब्लंडेल ने पारी को संभाला। ब्लंडेल और ग्लेन फिलिप्स के बीच छठे विकेट के लिए हुई 62 रन की अटूट साझेदारी दिन की तीन अर्धशतकीय साझेदारियों में से एक रही। उतार-चढ़ाव भरे दिन के अंत में न्यूजीलैंड ने अच्छी स्थिति हासिल कर ली।

भारत के गेंदबाजी चुनने के बाद न्यूजीलैंड ने पहले घंटे में बिना विकेट गंवाए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया। जसप्रीत बुमराह और अंशुल कंबोज ने गेंद को अच्छी स्विंग और सीम मूवमेंट दिलाई। दोनों ने कई बार बल्लेबाजों के बाहरी किनारे को छकाया। पहले बदलाव के रूप में गेंदबाजी करने आए आकाश दीप ने भी दोनों तरफ मूवमेंट हासिल कर डेवोन कॉनवे को परेशान किया। टॉम लैथम बुमराह की गेंद पर पगबाधा के फैसले से बाल-बाल बचे। उन्होंने समीक्षा ली, जिसमें गेंद ट्रैकिंग से पता चला कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी। भारत ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन लाइन और लेंथ में निरंतरता की कमी के कारण उन्हें विकेट में नहीं बदल सका।

आकाश दीप को लैथम का विकेट मिल सकता था, लेकिन दूसरी स्लिप में केएल राहुल ने उनका बाहरी किनारा छोड़ दिया। दूसरी ओर, धीमी शुरूआत के बाद कॉनवे ने नियमित रूप से गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाना शुरू किया और सत्र आगे बढ़ने के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। न्यूजीलैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज अच्छी तरह जम चुके थे और बिना विकेट गंवाए लंच तक पहुंचने की स्थिति में दिख रहे थे। लेकिन लंच से ठीक पहले आखिरी गेंद पर पदार्पण कर रहे गुरनूर बराड़ ने कॉनवे को पगबाधा आउट कर दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने फैसले की समीक्षा ली, लेकिन गेंद ट्रैकिंग में गेंद लेग स्टंप के ऊपरी हिस्से से टकराती दिखाई दी। इस तरह न्यूजीलैंड ने 26 ओवर में एक विकेट पर 77 रन बनाकर लंच किया।



लंच के बाद न्यूजीलैंड ने लगातार रन बनाना जारी रखा। पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शून्य पर आउट होने वाले लैथम ने इस दौरान अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने लैथम के खिलाफ संभावित डीआरएस का एक मौका गंवाया। इसके अलावा जोखिम भरे एक रन के लिए दौड़े हेनरी निकोल्स को रन आउट करने का मौका भी हाथ से निकल गया। गेंद में सीम मूवमेंट जारी था और भारतीय गेंदबाज लगातार बल्लेबाजों को असहज कर रहे थे, लेकिन इन मौकों को विकेट में नहीं बदल सके। न्यूजीलैंड ने लंच के बाद का पहला घंटा बिना कोई विकेट गंवाए निकाल लिया।

लंच के बाद दूसरे घंटे में भारतीय गेंदबाजों ने कहीं अधिक आक्रामक अंदाज में गेंदबाजी की और आकाश दीप ने अगुआई की। दूसरे विकेट के लिए 33 रन जुड़ने के बाद आकाश दीप ने लैथम को विकेट के पीछे कैच कराकर साझेदारी तोड़ी। इसके बाद कंबोज ने निकोल्स को आउट किया, जो पुल शॉट खेलने के प्रयास में गेंद को हवा में उछाल बैठे। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने फिर रचिन रवींद्र को भी विकेट के पीछे कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। एक विकेट पर 110 रन से न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट पर 110 रन हो गया।

डैरिल मिचेल और टॉम ब्लंडेल ने सत्र का बाकी खेल संभाला। न्यूजीलैंड ने इस सत्र में 24 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 54 रन बनाए। इस दौरान मिचेल पगबाधा की अपील पर भी बच गए और भारत ने एक समीक्षा गंवा दी। चाय के बाद बुमराह ने दूसरे सत्र में अपनाए गए अपने थोड़े बदले हुए रन-अप के साथ गेंदबाजी जारी रखी। उन्होंने पुल शॉट खेलने के प्रयास में मिचेल के दस्ताने से गेंद का संपर्क कराया, लेकिन ऋषभ पंत एक मुश्किल कैच नहीं पकड़ सके। मिचेल ने बराड़ की गेंद पर भी तीसरी स्लिप के खाली क्षेत्र से किनारा लगाकर चौका हासिल किया। दूसरी ओर, स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक नीतीश रेड्डी ने दूसरे छोर पर रन आउट का मौका गंवा दिया, जिससे ब्लंडेल को जीवनदान मिला।

भारत ने वाशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी पर लगाया, लेकिन ब्लंडेल ने उनका स्वागत दो चौकों के साथ किया। पांचवें विकेट के लिए साझेदारी 50 रन के पार पहुंच गई। इसके बाद मिचेल ने आकाश दीप की गेंद पर तीसरी स्लिप के अभाव में बाहरी किनारा लगाकर एक और चौका हासिल किया। इससे भारतीय टीम की निराशा बढ़ गई।

यह साझेदारी आखिरकार वाशिंगटन सुंदर की सुनियोजित गेंदबाजी से टूटी। उन्होंने गेंद को हवा में बहाव देते हुए मिडिल और लेग स्टंप की लाइन पर गेंदबाजी की। लेग स्लिप पर क्षेत्ररक्षक तैनात था। मिचेल को उसी दिशा में शॉट खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

इसके बाद ब्लंडेल और फिलिप्स ने दिन का खेल सकारात्मक अंदाज में समाप्त कराया। दोनों ने आखिरी घंटे में भारत को विकेट के लिए तरसाते हुए अटूट साझेदारी की। भारत को दूसरी नई गेंद से भी अपेक्षित सफलता नहीं मिली और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने आकाश दीप तथा बुमराह का आसानी से सामना किया। ब्लंडेल ने अपने 50वें टेस्ट मैच में अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड ने आखिरी सत्र में 35 ओवर में केवल एक विकेट गंवाकर 115 रन जोड़े और दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 246 रन बना लिए।

संक्षिप्त स्कोर:* न्यूजीलैंड पहली पारी 246/5 (टॉम लैथम 59, टॉम ब्लंडेल नाबाद 53, ग्लेन फिलिप्स नाबाद 36; आकाश दीप 2/52) बनाम भारत।

बोस्टन मैराथन के धावक बेग्स और डी ओलिवेरा को मिला अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

नई दिल्ली। बोस्टन मैराथन के धावक आरोन बेग्स और रॉबसन डी ओलिवेरा को अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार के लिए चुना गया है। दोनों धावकों ने इस वर्ष विश्व एथलेटिक्स की प्लेटिनम लेबल रोड रेस के दौरान एक अन्य धावक की मदद कर उसे दौड़ पूरी करने में सहयोग दिया था। उनके इस निस्वार्थ कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है।विश्व एथलेटिक्स ने गुरुवार को उक्त जानकारी दी। इस वर्ष की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) ने विश्व एथलेटिक्स के साथ साझेदारी में दुनियाभर के खेल प्रशंसकों को ऐसे क्षणों के नामांकन के लिए आमंत्रित किया था, जो खेल भावना और निष्पक्ष खेल का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हों। इसका उद्देश्य किसी एक उत्कृष्ट खिलाड़ी या खास क्षण को सम्मानित करना था। नामांकनों की समीक्षा के लिए एक निर्णायक मंडल गठित किया गया। इसके बाद विश्व एथलेटिक्स के सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए प्रशंसकों ने चुने गए क्षणों में से उस पल के लिए मतदान किया, जिसे वे निष्पक्ष खेल की भावना का सबसे अच्छा उदाहरण मानते थे।



गेंद से छेड़छाड़ मामले की समीक्षा के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तय की छह सप्ताह की समय सीमा

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद की समीक्षा के लिए गठित स्वतंत्र मंच के संदर्भ की शर्तें जारी कर दी हैं। इस मंच के माध्यम से उस दौरे का हिस्सा रहे खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बोर्ड को किसी भी प्रतिभागी की व्यक्तिगत गवाही उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। बोर्ड को केवल सामने आए प्रमुख मुद्दों और सिफारिशों वाली रिपोर्ट सौंपी जाएगी। संदर्भ की शर्तों के तहत बोर्ड को मंच के सामने रखे गए व्यक्तिगत विवरण नहीं दिखाए जाएंगे। स्वतंत्र वरिष्ठ अधिवक्ता फियोना मैकलियोड एओ एससी के नेतृत्व में चलने वाली इस प्रक्रिया की अवधि छह सप्ताह होगी। इस दौरान संबंधित लोग निजी तौर पर अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। बोर्ड को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में सामने आए प्रमुख मुद्दों और सिफारिशों का उल्लेख होगा, लेकिन व्यक्तिगत गवाही या उससे जुड़े सहायक दस्तावेज शामिल नहीं होंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया रिपोर्ट मिलने के 30 दिनों के भीतर उसे अपनी प्रतिक्रिया के साथ पूरी तरह सार्वजनिक करेगा। इस मंच की घोषणा उस समय की गई, जब उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा ह्यसब्रह्ल के सामने आने के बाद 2018 की घटना एक बार फिर चर्चा में आ गई। ख्वाजा ने दावा किया था कि सैंडपेपर के इस्तेमाल की जानकारी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से दंडित किए गए तीन खिलाड़ियों से कहीं अधिक लोगों को थी। डेविड वार्नर और कैमरन बेनक्रॉफ्ट ने उनके बयान के कुछ हिस्सों का समर्थन किया है, जबकि पैट कमिंस और अन्य गेंदबाजों का कहना रहा है कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं थी।

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के आगामी विशेष सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, बीजू जनता दल और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया है कि सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। इससे लोकसभा में उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का अंतर बढ़ सकता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। वहीं,



राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) ने अपने सभी सांसदों को विशेष सत्र के दौरान सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विनिर्माण क्षेत्र को गति देने में विफल मोदी सरकार अब लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत का कृत्रिम रास्ता तैयार करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस इसका पूरी ताकत से विरोध करेगी। रमेश ने पार्टी की तीन मांगें दोहराईं। इनमें अगले 25 वर्षों तक लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या और राज्यों के बीच सीटों का वर्तमान अनुपात बनाए रखना तथा 2029 के लोकसभा चुनाव से महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देना शामिल है। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षण के भीतर आरक्षण की भी मांग की।

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने पत्रकारों से कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, लेकिन सरकार इसका इस्तेमाल परिसीमन लागू करने के बहाने के रूप में कर रही है। उन्होंने 850 सदस्यों वाली लोकसभा के विचार का विरोध करते हुए कहा कि इससे संसद की कार्यक्षमता प्रभावित होगी। सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ाने के बावजूद उत्तर और दक्षिण के राज्यों के बीच सीटों की वास्तविक संख्या का अंतर बढ़ सकता है। परिसीमन के दौरान निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से निर्धारण सत्तारूढ़ दल के अनुकूल किया जा सकता है। चिदंबरम ने लोकसभा की सदस्य संख्या 543 पर बनाए रखने और इसी संख्या में महिलाओं को 181 सीटें देने की मांग की। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद राजीव राय ने कहा कि सरकार ने लोकतंत्र और संसद का मजाक बना दिया है। सरकार सात महीने बाद विशेष सत्र बुला रही है और इस दौरान खरीदो, तोड़ो और धमकाओ की राजनीति करती रही है। परिसीमन से उत्तर और दक्षिण भारत के बीच लोकसभा सीटों के प्रतिनिधित्व का अंतर और बढ़ सकता है। सपा के सलेमपुर के सांसद रामाशंकर राजभर ने भी विशेष सत्र बुलाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब शीतकालीन सत्र होना था तो तीन दिन के सत्र की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार देश को उत्तर और दक्षिण के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है। राजद सांसद मनोज कुमार झा ने विशेष सत्र को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र अभी समाप्त हुए कुछ ही समय हुआ है और अब शीतकाल में विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। उन्होंने इसे परिसीमन के बजाय लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार का उद्देश्य निर्वाचन क्षेत्रों का अपने अनुकूल पुनर्गठन करना है। उन्होंने असम में परिसीमन की प्रक्रिया का भी उल्लेख किया। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने कहा कि विशेष सत्र पहले बुलाया जाना चाहिए था। सरकार महिला आरक्षण के नाम पर राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ा रही है।

शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, डिहाइड्रेशन के चलते ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार को डिहाइड्रेशन की शिकायत के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में शुक्रवार को भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत को लेकर परिवार और पार्टी नेताओं की ओर से जानकारी साझा की गई है। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टरों की निगरानी में उपचार जारी है। शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने शरद पवार को पर्याप्त आराम करने, काम का दबाव कम करने और यात्रा से बचने की सलाह दी है। परिवार की ओर से उनके स्वास्थ्य को लेकर लगातार नजर रखी जा रही है। वहीं, शरद पवार का हालचाल जानने के लिए एनसीपी के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल और प्रफुल्ल पटेल भी ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचे। दोनों नेताओं ने उनसे मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान शरद पवार से कुछ देर बातचीत भी हुई। नेताओं ने बताया कि उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है। गौरतलब है कि, 85 वर्षीय शरद पवार को इसी महीने की शुरूआत में भी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस दौरान उन्हें खांसी और सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। जांच के बाद उन्हें संक्रमण के उपचार के लिए अस्पताल में रखा गया था। उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी।

देश में पहली बार मध्य प्रदेश में पूरी तरह ऑनलाइन हुई आंगनबाड़ी भर्ती, २२ हजार से अधिक पदों पर हुई नियुक्ति

एजेंसी



भोपाल। मध्य प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं की भर्ती प्रक्रिया में डिजिटल तकनीक के माध्यम से महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। प्रदेश में ऑनलाइन चयन प्रणाली के माध्यम से अब तक 22 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई की जा चुकी है। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं की भर्ती में विज्ञापन से लेकर नियुक्ति तक की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त संदीप जीआर ने शुक्रवार को बताया कि भर्ती प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एमपी ऑनलाइन के माध्यम से चयन पोर्टल विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत 20 नवम्बर, 2024 को इस पोर्टल का शुभारंभ किया था। इसके बाद 23 मई, 2025 को नवीन नियुक्ति निर्देश तथा 3 जून, 2025 को ऑनलाइन भर्ती संबंधी निर्देश जारी किए गए।

उन्होंने बताया कि जून, 2025 में प्रथम चरण में 19,504, दिसम्बर 2025 में द्वितीय चरण में 4,767 तथा जून 2026 में तृतीय चरण में 2,548 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई। तीनों चरणों में आंगनबाड़ी कार्यकताओं के 4,381 तथा सहायिकाओं के 22,438 सहित कुल 26,819 पदों पर भर्ती की कार्रवाई प्रारंभ की गई। इनमें से 22 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई पूर्ण हो चुकी है, जबकि शेष पदों पर प्रक्रिया जारी है।

ऑनलाइन चयन प्रणाली के माध्यम से अभ्यर्थी मोबाइल, कंप्यूटर अथवा एमपी ऑनलाइन कियोस्क से आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए किसी सरकारी कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। आवेदन में त्रुटि होने पर संशोधन की सुविधा भी उपलब्ध है। अभ्यर्थी मेरिट सूची, चयन के प्रत्येक चरण और नियुक्ति की स्थिति स्वयं पोर्टल पर देख सकती हैं। संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया लगभग दो माह में पूर्ण करने का प्रावधान किया गया है।

ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया से दस्तावेजों एवं अंकों में हेरफेर की संभावनाओं पर अंकुश लगा है। पूर्व की ऑफलाइन प्रक्रिया में आवेदन प्राप्त नहीं होने, दस्तावेज बदलने, चयन समितियों की बैठक में विलंब जैसी शिकायतें सामने आती थीं। डिजिटल चयन प्रणाली लागू होने से इन शिकायतों में कमी आई है। साथ ही प्रशासनिक कार्यभार कम होने के साथ जवाबदेही भी बढ़ी है। संदीप ने बताया कि ऑनलाइन चयन प्रणाली की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि आगामी छह माह में संभावित रिक्त होने वाले पदों के लिए भी अग्रिम रूप से भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जा सकती है। इससे आंगनबाड़ी केंद्रों में लंबे समय तक पद रिक्त रहने की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी तथा बच्चों और महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा संबंधी सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

हिंद महासागर में शांति, सुरक्षा व विकास सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करना सभी सदस्य देशों की सामूहिक जिम्मेदारी है। बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) को अपनी सामूहिक आवाज मजबूत करने और एक समावेशी क्षेत्रीय मंच के रूप में अपनी भूमिका को और प्रभावी बनाने की जरूरत है। जयशंकर ने यहां आईओआरए की 25वीं मंत्रिपरिषद बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि हिंद महासागर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, संपर्क और आर्थिक समृद्धि के लिहाज से केंद्रीय महत्व रखता है। यह क्षेत्र अपार विविधता, अवसरों और साझा चुनौतियों से भरा है। ऐसे में सभी देशों की जिम्मेदारी है कि इसे शांतिपूर्ण, स्थिर और सुरक्षित बनाए रखने के साथ विकास के अनुकूल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आईओआरए के प्रति भारत का दृष्टिकोण और संगठन की अध्यक्षता विजन महासागर (महासागर) से निर्देशित है। इसका आशय विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र प्रगति सुनिश्चित करना है। यह भारत के पहले के सागर यानी क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की अध्यक्षता का विषय हिंद महासागर क्षेत्र में ह्यनवाचार, खुलापन, लचीलापन और अनुकूलन क्षमताह्न है। ये सिद्धांत इस विश्वास को दशार्ते हैं कि आईओआरए को बदलते क्षेत्रीय और वैश्विक वातावरण के प्रति संवेदनशील और अनुकूल बने रहना चाहिए तथा अपने सदस्य देशों को ठोस लाभ पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता के दौरान आईओआरए के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और उनसे जुड़े अन्य मुद्दों पर सहयोग मजबूत करने, संवाद साझेदारों के साथ भागीदारी गहरी करने, व्यावहारिक क्षेत्रीय पहलों को बढ़ावा देने तथा संगठन की वित्तीय एवं संस्थागत क्षमता मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में आईओआरए की व्यापक भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उसकी संस्थागत नींव मजबूत करना आवश्यक है। इस संदर्भ में बैठक का विषय ह्यमजबूत क्षेत्रीय आवाज : बदलती वैश्विक व्यवस्था में आईओआरए की स्थितिह्न विशेष रूप से प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक बदलावों के दौर में आईओआरए को अपनी सामूहिक आवाज बुलंद करने और एक समावेशी क्षेत्रीय मंच के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने की आवश्यकता है।

मोहन भागवत ने शाहनवाज हुसैन के आवास पहुंचकर बेटे-बहू को दिया आशीर्वाद

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन के दिल्ली स्थित आवास पहुंचे और उनके बेटे अरबाज हुसैन और पुत्रवधू अफशां को आशीर्वाद दिया। शाहनवाज हुसैन ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ह्नआज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्रद्धेय मोहन भागवत जी हमारे दिल्ली स्थित आवास पर पुत्र अरबाज एवं पुत्रवधू अफशां को आशीर्वाद देने पधारे। उन्होंने कहा कि डॉ. भागवत का स्नेह और आशीर्वाद उनके पूरे परिवार के लिए अमूल्य है। शाहनवाज हुसैन ने अपने परिवार की ओर से भागवत का हृदय से आभार भी व्यक्त किया।



शाहनवाज हुसैन की ओर से साझा की गई चार तस्वीरों में मोहन भागवत परिवार के सदस्यों के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में वह नवदंपति को फूलों का गुलदस्ता और उपहार देते हुए दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शाहनवाज हुसैन के बेटे अरबाज का विवाह अक्टूबर में अफशां अकरम खान के साथ हुआ था।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार सेंसेक्स में 165 अंकों की गिरावट

एजेंसी

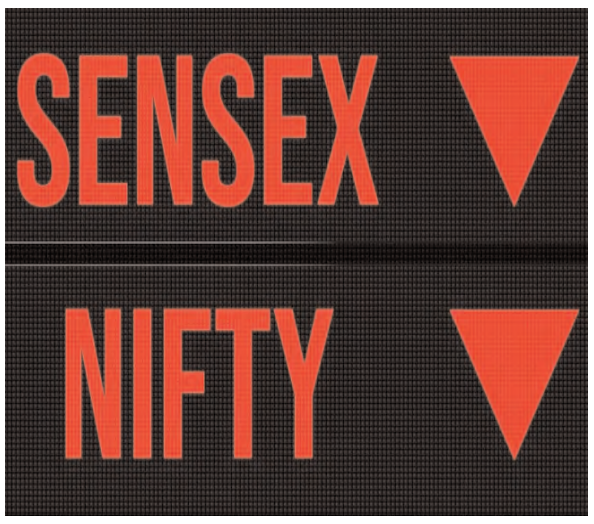

नई दिल्ली। हफ्ते के पाचवें एवं अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शुरूआती कारोबार में बाजार के दोनों प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में 165 अंकों और निफ्टी में 49 अंकों की गिरावट दर्ज की गई ।

बाजार में शुरूआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 146.64 अंक यानी 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ 84,181.95 अंक के स्तर पर ट्रेंड करता नजर आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 38.95 अंक यानी 0.15 फीसदी गिरकर 25,845.55 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एचडीएफसी बैंक और बीईएल जैसे प्रमुख शेयरों में एक फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, अधिकतर क्षेत्रीय सूचकांकों में तेजी देखी गई। लेकिन उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, सीमेंट, रियल्टी, रसायन, वित्तीय सेवाओं और एफएमसीजी शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा आज मेटलक शेयर्स में ज्यादा खरीदारी है। वहीं आईटी में बिकवाली देखने को मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 390.31 अंकों यानी 0.46 फीसदी उछलकर 84,328.59 अंकों पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 65.25 अंक यानी 0.25 फीसदी बढ़कर 25,884.50 के स्तर पर बंद हुआ था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पूरा होने के करीब : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता पूरा होने के करीब है। इसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया अब आकार ले रही है। गोयल ने वर्चुअल माध्यम से 'इंडिया डेट कैपिटल मार्केट समिट 2026' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, "अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने के करीब है। वह प्रक्रिया और मार्ग, जिसकी वजह से समझौते को अंतिम रूप देने में हमेशा रुकावट आती थी, उसमें अब कुछ बात बन रही है।' केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पूरा होने के करीब है। गोयल ने कहा कि इस समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तथा रूपरेखा अब आकार ले रही है। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारत ने वैश्विक चुनौतियों के बीच भी आगे बढ़ना जारी रखा है। सुधार लागू किए हैं और आर्थिक नींव को मजबूत किया है। साथ ही वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर विकास के व्यापक अवसर भी प्रदान किए हैं।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर इस वर्ष के अंत तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि यह अगले वर्ष मार्च या अप्रैल तक लागू हो सकता है। उन्होंने कहा, ह्नआर्थिक आंकड़े इन प्रयासों की सफलता को दशार्ते हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

कहलगांव में नए आरपीएफ पोस्ट का उद्घाटन, यात्री सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

भागलपुर । रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में पूर्व रेलवे के मालदा मंडल ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंडल द्वारा कहलगांव में एक नए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट की स्थापना की गई है। उक्त आशय की जानकारी शुक्रवार को मालदा डीविजन के पीआरओ ने दी। उन्होंने बताया कि नवस्थापित आरपीएफ पोस्ट का उद्घाटन पूर्व रेलवे के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा द्वारा किया गया। यह महत्वपूर्ण पहल मालदा के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में पूरी की गई है। उद्घाटन समारोह के दौरान मालदा के अपर मंडल रेल प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार मौर्य सहित रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। रेल प्रशासन के अनुसार, कहलगांव में इस नए आरपीएफ पोस्ट की स्थापना से स्थानीय स्तर पर रेलवे की सुरक्षा अवसंरचना को मजबूती मिलेगी। इससे न केवल यात्री सुरक्षा व्यवस्था पहले से बेहतर होगी, बल्कि किसी भी आपात स्थिति में रेलवे सुरक्षा बल की कार्यकुशलता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मालदा मंडल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वह अपने संपूर्ण क्षेत्राधिकार में रेलवे सुरक्षा ढांचे को निरंतर मजबूत करने और यात्रियों को एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सुविधाजनक रेल यात्रा का वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हरिहर क्षेत्र सोनपुर से पंचकोसी परिक्रमा यात्रा का हुआ शुभारंभ

सारण। विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर में 27 नवंबर मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया के अवसर पर ऐतिहासिक बाबा हरिहरनाथ मंदिर परिसर से विराट श्री हरिहर क्षेत्र संकीर्तन पंचकोसी एवं 14 कोसी परिक्रमा यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से संपन्न हुई पूजा-अर्चना के पश्चात यात्रा आगे बढ़ी। प्रस्थान से पूर्व यात्रा के संस्थापक एवं संयोजक विनोद कुमार सिंह यादव ने उपस्थित श्रद्धालुओं और परिक्रमा यात्रियों को संबोधित करते हुए इस धार्मिक अनुष्ठान के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान संकीर्तन मंडली के मधुर भजन-कीर्तन और 'हरे कृष्णा हरे हरे, हरे राम हरे हरे' की धुन के साथ 'हर-हर महादेव' तथा 'जय श्री हरिहरनाथ' के गगनभेदी जयघोष से संपूर्ण हरिहर क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

सड़क हादसे में पत्रकार के भाई की मौत, परिवार में मचा कोहराम

नवादा।नवादा जिले में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पत्रकार गुड्डू सिंह के छोटे भाई आशीष कुमार की शुक्रवार को पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई। आशीष की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, उनके निधन से स्टेशन रोड सोनार पट्टी सहित पूरे इलाके में शोक है। पत्रकारिता जगत में भी इस दुखद घटना से शोक व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, स्टेशन रोड सोनार पट्टी निवासी आशीष कुमार गुरुवार की देर रात सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए थे। इस हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल इलाज के लिए नवादा लाया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर पटना पहुंचे, जहां अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद शुक्रवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। पत्रकार गुड्डू सिंह के छोटे भाई के निधन की खबर से जिले के पत्रकारों में भी गहरा शोक है। पत्रकारों ने आशीष कुमार के असामयिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की।

तृणमूल पंचायत सदस्य के घर पर हमला, 35 हजार रुपये लूटने का आरोप



जलपाईगुड़ी। जलपाईगुड़ी में तृणमूल कांग्रेस के एक पंचायत सदस्य के घर पर बदमाशों द्वारा हमला करने और नकदी लूटने का मामला शुक्रवार को सामने आया है। घटना पहाड़पुर ग्राम पंचायत के बालापाड़ा इलाके की है। आरोप है कि गुरुवार देर रात तृणमूल पंचायत सदस्य बाबलू बसाक के घर को निशाना बनाया गया। शुक्रवार सुबह बाबलू बसाक की तरफ से थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने घर का मुख्य गेट और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद घर में रखे सामानों में जमकर तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं, घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। परिवार का आरोप है कि घर में रखे करीब 30 से 35 हजार रुपये नकद लूट लिए गए। घटना के समय बाबलू बसाक और उनके परिवार के सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। घर लौटने पर उन्होंने देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है और कई चीजें क्षतिग्रस्त हैं। बाबलू बसाक का दावा है कि हमलावरों में से कई लोगों को वह पहचानते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले भी उनके घर पर इसी तरह हमला किया गया था। उनका आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस का पंचायत सदस्य होने के कारण उन्हें योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है।घटना की सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

मद्रास हाई कोर्ट ने दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की दी अनुमति, तीन पर रोक बरकरार

चेन्नई । तमिलनाडु में खाली पड़ी पांच विधानसभा सीटों में से दो सीटों पर उपचुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है। मद्रास उच्च न्यायालय ने अंबासमुद्रम और पेरुंदुरै विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव कराने पर लगी रोक हटा दी है। हालांकि, तिरुचि पूर्व, करूर और विरालीमलाई विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव कराने पर रोक बरकरार रखी गई है। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुलमुरुगन की पीठ ने मामले की सुनवाई के बाद केवल अंबासमुद्रम और पेरुंदुरै विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव कराने की अनुमति दी। अदालत के इस फैसले के बाद इन दोनों सीटों पर जल्द ही उपचुनाव की घोषणा होने की संभावना है। दरअसल, तमिलनाडु की पांच विधानसभा सीटों तिरुचि पूर्व, करूर, विरालीमलाई, अंबासमुद्रम और पेरुंदुरै में उपचुनाव की घोषणा करने से चुनाव आयोग को रोकने की मांग को लेकर तिरुनेलवेली के अधिवक्ता के. वेंकटाजलपति ने मद्रास उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की थी।

न्यूज IN ब्रीफ

कोयल के पावन तट पर पंचतत्व में विलीन हुए डॉन चौबे



मेदिनीनगर : समग्र शिक्षा अभियान में कार्यरत राजीव चौबे उर्फ डॉन चौबे का शुक्रवार को उनके पैतृक गांव केतात में कोयल नदी के पावन तट पर अंतिम संस्कार किया गया।गुरुवार डाल्टनगंज में हृदयाघात से हुए उनके आकस्मिक निधन ने पूरे क्षेत्र को शोक और स्तब्धता में डुबो दिया था। जिस व्यक्तित्व की हंसी, आत्मीयता और जीवंत उपस्थिति से आसपास का वातावरण हमेशा गुलजार रहता था,आज वही चेहरा स्मृतियों में सिमटकर रह गया। कोयल के शांत तट पर जब डॉन चौबे को अंतिम विदाई दी जा रही थी,तब वहां मौजूद हर आंख नम थी।यह केवल एक व्यक्ति की विदाई नहीं थी, बल्कि बचपन की यादों, मित्रता के अनगिनत किस्सों और उन आत्मीय रिश्तों का एक भावुक अध्याय था, जिसे समय भी कभी मिटा नहीं सकेगा।

उनके अंतिम दर्शन और दाह संस्कार में डाल्टनगंज के डिप्टी मेयर मनोज सिंह, भाजपा नेता अखिलेश तिवारी,सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी,अधिवक्ता सतीश मिश्रा,डॉ।आलोक तिवारी,संतोष तिवारी पिंकू, अनुप सिन्हा,फोटू दूबे,प्रवीण तिवारी बंटू,सोनू तिवारी, ब्राइटलैंड स्कूल के प्राचार्य राहुल सिंह,अखिलेश पाण्डेय, संजय शुक्ला,हरिशंकर सहित बड़ी संख्या में शुभचिंतक, मित्र और ग्रामीण उपस्थित रहे।

इधर खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप के अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि, एडमिन रजनीश सिंह, कोषाध्यक्ष राहुल मिश्रा,सह कोषाध्यक्ष रितेश कुमार टिंकू, हिमांशु शेखर ने डॉन चौबे के असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

जिले के सभी प्रखंड मे विधिक सशक्तिकरण शिविर 29 को

मेदिनीनगर : झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राधा कृष्ण के मार्गदर्शन में 29 नवम्बर रविवार को जिले के सभी प्रखंड में विधिक सशक्तिकरण शिविर व कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन 11 बजे से अपराहन तीन बजे तक होगा। उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव एस के गौतम ने दी।उन्होंने बताया कि इसको सफल आयोजन को ले जिला के उपायुक्त को पत्र भेजा गया हैं।बिदित हो कि शिविर में विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे व लाभुकों के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण किया जायेगा। इसके लिए सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी पुलिस प्रशासन के लोग व पीएलवी को कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु निर्देश दिया गया हैं। कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारी व एलएडीसी के अधिवक्ता शामिल होंगे।

लातेहार में जेजेएमपी का नक्सली गिरफ्तार



लातेहार : जिला पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापामारी अभियान चलाकर झारखंड जन मुक्ति परिषद के नक्सली संतोष लोहरा उर्फ कर्मवीरजी को गारू थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सली पिछले दिनों जिले के सरयू प्रखंड के एक संवेदक से 20 लाख रुपए रंगदारी मांगा था। इसके अलावा इस पर कई अन्य मामले भी दर्ज थे। गिरफ्तार नक्सली लातेहार सदर थाना क्षेत्र के बिनगड़ा गांव का रहने वाला है।

दरअसल जेजेएमपी नक्सली संगठन का अस्तित्व समाप्त होने के बाद संतोष लोहरा इस संगठन को फिर से खड़ा करने का प्रयास कर रहा था। वह पिछले कुछ दिनों से सक्रिय हुआ था और अलग-अलग लोगों को रंगदारी के लिए धमकी दे रहा था। सरयू प्रखंड के एक संवेदक से आरोपी ने 20 लाख रुपए की रंगदारी भी मांगी थी। इस मामले की सूचना होने के बाद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए रणनीति तैयार की। इसी बीच लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली कि नक्सली संतोष रंगदारी वसूलने के इरादे से प्रखंड मुख्यालय के आसपास देखा गया है। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने नक्सली की गिरफ्तारी के लिए छापामारी आरंभ की। इसी क्रम में संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया जब उससे पूछताछ की गई तो उसकी पहचान नक्सली संतोष लोहरा उर्फ कर्मवीरजी के रूप में हुई। पुलिस ने गुरुवार को उसे जेल भेज दिया।

कई मामलों का अभियुक्त है संतोष

इस संबंध में थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली संतोष कई नक्सली हिंसा के मामले का अभियुक्त है। पिछले कुछ दिनों से यह अलग-अलग लोगों को फोन कर रंगदारी मांगता था। जब कुछ लोगों द्वारा इसकी शिकायत पुलिस से की गई तो पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी आरंभ किया। इसी बीच लातेहार पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गारू थाना क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाकर इसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पहले भी जेल जा चुका है संतोष

पुलिस के द्वारा बताया गया कि गिरफ्तार नक्सली संतोष इससे पहले भी जेल जा चुका है। नक्सली संगठन जेजेएमपी से इसका काफी पुराना संबंध भी रहा था। परंतु पुलिस की सक्रियता के कारण वर्तमान समय में जेजेएमपी नक्सली संगठन लगभग समाप्त हो चुका है।

धमना टोल प्लाजा पर जाम हटाने के लिए एसडीओ ने संभाली कमान

बरही : जीटी रोड स्थित धमना टोल प्लाजा के पास जाम की समस्या को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू ने गुरुवार को मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने हस्तक्षेप करते हुए जाम हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की और राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन सुचारू कराया। टोल प्लाजा के आसपास वाहनों का जमावड़ा लगने से यातायात प्रभावित हो रहा था। इससे आम राहगीरों और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले वाहन चालकों को कठिनाई हो रही थी। एसडीओ ने संबंधित कर्मियों को यातायात प्रबंधन में लापरवाही नहीं बरतने तथा टोल क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। एसडीओ ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्बाध यातायात बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। टोल प्रबंधन को भी यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य आम लोगों को जाम से राहत दिलाने के साथ सड़क पर सुरक्षित और सुचारू आवागमन सुनिश्चित करना है।

जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में रखे शव की दोनों आंखों से छेड़छाड़ पर परिजनों का हंगामा

अधीक्षक बोले- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होगा खुलासा

संवाददाता

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले के एमजीएम थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित एमजीएम अस्पताल में रखे युवक के शव की दोनों आंख से छेड़छाड़ करने के आरोप में परिजनों ने हंगामा किया है। मामले में एमजीएम अस्पताल अधीक्षक ने आरोप को गलत बताते हुए बताया कि पोस्टमार्टम के बाद सच सामने आ जाएगा। जमशेदपुर के एमजीएम थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में शामिल एमजीएम अस्पताल की व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शव देखकर होश परिजनों के होश जानकारी के मुताबिक, सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया क्षेत्र निवासी 18 वर्षीय राजू प्रमाणिक की बुधवार को कथित तौर पर आत्महत्या के बाद मौत हो गई थी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल में रखा गया था। परिजन शव लेने अस्पताल पहुंचे तो उसकी हालत देखकर उनके होश उड़ गए। परिजनों का आरोप है कि शव की दोनों आंखों से छेड़छाड़ की गई है। शवगृह में रखे शवों की निगरानी पर कई सवाल

इस घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और शवगृह में रखे



शवों की निगरानी को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। परिजनों का सवाल है कि अस्पताल की देखरेख में रखे गए शव के साथ इस तरह की घटना कैसे हुई और इसकी जिम्मेदारी किसकी है। आखिर शव की सुरक्षा के लिए अस्पताल प्रबंधन की ओर से क्या इंतजाम किए गए थे?

आरोपों की नहीं हुई चिकित्सकीय पुष्टि : इधर, बिगड़ते मामले को देखते हुए एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत करवाया। फिलहाल परिजनों के आरोपों की चिकित्सकीय पुष्टि नहीं हुई है और अस्पताल प्रबंधन की ओर से भी इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

शिकायत मिलने के बाद होगी कार्रवाई : एमजीएम थाना के हिसामुद्दीन खान पदाधिकारी ने बताया कि परिजनों की ओर से लिखित शिकायत मिलने के बाद मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मामले में एमजीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ बलराम झा ने बताया की मृतक के परिजन द्वारा लगाया गया आरोप निराधार है। शव का पोस्टमार्टम होने बाद सच सामने आ जायेगा।

पलामू के पांडु से पकड़ी गई मिनि गन फैक्ट्री, हथियार बनाने की कई सामग्री बरामद, एक गिरफ्तार

संवाददाता

पलामू : जिला पलामू के पांडु थाना क्षेत्र में एक मिनि गन फैक्ट्री पकड़ी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली कई सामग्री को जब्त कर लिया है और अवैध हथियार भी बरामद हुए हैं। मिनि गन फैक्ट्री का संचालन पलामू के पांडु थाना क्षेत्र के रतनाग में हो रहा था।

पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लिया था

दरअसल दो अगस्त को पुलिस ने पांडु थाना क्षेत्र में अमित कुमार सिंह नामक युवक के घर छापेमारी कर दो देसी कट्टा बरामद किया था। पांच नवंबर को अमित कुमार सिंह ने पलामू कोर्ट में सरेंडर किया था। उसको पलामू पुलिस ने रिमांड पर लिया था जिसके बाद मिनीगन फैक्ट्री के बारे में जानकारी निकलकर सामने आई थी।

लंबे समेत से अवैध हथियार बना रहा था

अमित कुमार सिंह के निशानदेही पर पुलिस ने पांडू थाना क्षेत्र के रतनाग गांव में छापेमारी किया और मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा हुआ। मौके से पुलिस ने 58 वर्षीय उदय कुमार विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया है। बिश्रामपुर के एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल ने बताया कि उदय कुमार विश्वकर्मा लंबे समेत से अवैध हथियार बना रहा था। अधिकतर देसी कट्टा बनाता था। छापेमारी कर पुलिस ने फैक्ट्री को पकड़ा गया



है। हथियार और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले सामग्री को बरामद किया है। पुलिस के छापेमारी में बिश्रामपुर एसडीओपी चिरंजीवी मंडल, पांडु थाना प्रभारी बिगेश कुमार राय, सब इंस्पेक्टर आरके मेहता समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे।

एक से डेढ़ हजार में बनाता था हथियार, खेत में थी फैक्ट्री

पुलिस के पूछताछ में उदय कुमार विश्वकर्मा ने कई चौकाने वाले खुलासे किए है। उदय विश्वकर्मा ने घर से दूर एक खेत में छोटा सा घर बनाया था और उसी में मिनी गन फैक्ट्री का संचालन कर रहा था। उदय विश्वकर्मा लंबे समय से हथियार बन रहा था और एक से डेढ़ हजार रुपए में देसी कट्टा को बेचता था। पलामू पुलिस के अनुसार उदय कुमार विश्वकर्मा ऑन डिमांड हथियार को बनाता था। जरूरत के अनुसार कोई व्यक्ति उदय कुमार विश्वकर्मा के पास पहुंचता था और उसके ऑर्डर पर ही हथियार बनते थे।

कट्टा बनाने के लिए ट्रक के स्टेयरिंग के पाइप का इस्तेमाल

उदय कुमार विश्वकर्मा अपने पास मोबाइल नहीं रखता था पुलिस यह पूछताछ कर रही है कि उसने कौन-कौन से व्यक्ति को हथियार बेचा है। हथियार बनाने के लिए वह ट्रक के स्टेयरिंग के पाइप का इस्तेमाल करता था। इसके अलावा अमरूद या शीशम की लकड़ी का भी इस्तेमाल किया जाता था।

करियातपुर उच्च विद्यालय में विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

बरही : उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, करियातपुर में झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विज्ञान क्लब और मैथ्स पार्क के तहत छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच, नवाचार और रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

विज्ञान क्लब के अंतर्गत विद्यार्थियों ने पवन चक्की का कार्यशील मॉडल, घरों की सुरक्षा के लिए लेजर सेफ्टी अलार्म तथा विद्युत पर्जनन से संबंधित मॉडल प्रदर्शित किए। वहीं, मैथ्स पार्क के तहत गणितीय ट्रिक और गणित को सरल एवं रोचक ढंग से समझाने वाले विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली और उपयोगिता की जानकारी भी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार दास ने बताया कि झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी आयोजित करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रयोगात्मक शिक्षा और नवाचार की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों से बच्चे किताबी ज्ञान को व्यवहारिक रूप में समझते हैं तथा उनमें तार्किक चिंतन और समस्या समाधान की क्षमता विकसित होती है। प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और नए प्रयोगों से सीखने का अवसर मिला।

संविधान दिवस पर पुलिसकर्मियों ने ली एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ

रामगढ़ : संविधान दिवस पर गुरुवार को रामगढ़ जिला पुलिस कार्यालय, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय सहित जिले के सभी थानों और ओपी में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने की शपथ ली। इस अवसर पर संविधान में निहित मूल्यों, आदर्शों और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। बताया गया कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था।

प्रज्ञा केंद्रों में संविधान की प्रस्तावना का हुआ सामूहिक वाचन

संवाददाता

बरही : संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को बरही प्रखंड के विभिन्न पंचायत मुख्यालयों में संचालित डिजिटल पंचायत प्रज्ञा केंद्रों पर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को संविधान में निहित आदर्शों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देते हुए उसके सम्मान एवं अनुपालन का संकल्प दिलाया गया।

बेंदगी पंचायत सचिवालय स्थित डिजिटल प्रज्ञा केंद्र में संचालक दिलीप कुमार रजक ने ग्रामीणों के समक्ष भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इसके बाद उपस्थित लोगों ने संविधान के मूल सिद्धांतों की रक्षा करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की शपथ ली। इसी क्रम में कोनरा पंचायत भवन सहित प्रखंड के अन्य पंचायत मुख्यालयों के डिजिटल प्रज्ञा केंद्रों में भी संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक आदर्शों से परिचित कराया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर संवैधानिक जागरूकता बढ़ाना और आम नागरिकों को उनके अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति सजग करना था। ग्रामीणों ने संविधान के प्रति सम्मान और उसकी मयार्दा बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

स्कूल की बदहाली पर धनबाद डीसी ने प्राचार्य को लगाई फटकार, सभी शिक्षकों का वेतन रोकने का दिया आदेश

धनबाद : एसएसएलएनटी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में अव्यवस्थाओं को लेकर धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने सख्त रुख अपनाया है।

विद्यालय परिसर में गंदगी, चारों ओर उगी जंगली झाड़ियां और छात्राओं के लिए खेल मैदान की व्यवस्था नहीं होने पर डीसी ने प्राचार्य को जमकर फटकार लगाई। इतना ही नहीं, लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए विद्यालय के सभी शिक्षकों का वेतन रोकने का आदेश दिया है। साथ ही एक सप्ताह के भीतर व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर शिक्षकों को जिले के सुदूरवर्ती प्रखंडों में स्थानांतरित करने की चेतावनी दी है।

दरअसल, गुरुवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन बैंक मोड़ स्थित एसएसएलएनटी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने पूरे विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान परिसर में जगह-जगह गंदगी और जंगली झाड़ियां देखकर उपायुक्त नाराज हो गए। विद्यालय में छात्राओं के खेलने के लिए समुचित मैदान तक उपलब्ध नहीं था। इस बदहाल स्थिति पर उन्होंने प्राचार्य को कड़ी फटकार लगाई।

डीसी ने स्पष्ट किया कि शिक्षण संस्थान में इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता से लेकर बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी सभी शिक्षकों की है। इसी को लेकर उन्होंने सभी शिक्षकों का वेतन रोकने का निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में सुधार नहीं हुआ तो लापरवाह शिक्षकों का जिले के सुदूरवर्ती प्रखंडों में तबादला किया जाएगा। उपायुक्त ने प्राचार्य और संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह का समय देते हुए पूरे परिसर की साफ-सफाई कराने, जंगली झाड़ियों को हटाने और छात्राओं के लिए खेल मैदान विकसित करने का निर्देश दिया।

दरअसल, उपायुक्त यहां कल्याण विभाग, झारखंड सरकार की ओर से नवनिर्मित 50 बेड क्षमता वाले पिछड़ी जाति बालिका छात्रावास का उद्घाटन करने पहुंचे थे। उन्होंने फीता काटकर छात्रावास का उद्घाटन किया। छात्रावास में पिछड़ी जाति की छात्राओं के रहने और भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें बेहतर आवासीय सुविधा मिल सके और पढ़ाई जारी रखने में किसी तरह की परेशानी न हो।

उद्घाटन के बाद उपायुक्त ने छात्रावास की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और इसे सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने का निर्देश दिया। इच्छुक छात्राएं छात्रावास में नामांकन और आवासीय सुविधा के लिए जिला कल्याण कार्यालय, धनबाद से संपर्क कर सकती हैं।

सारण की समस्याओं को लेकर मुखर हुए जवाहर कुमार सिंह, बोले

जनता की मूलभूत सुविधाओं से समझौता बर्दाश्त नहीं

संवाददाता

सारण (छपरा) : सारण जिले की बदहाल विकास व्यवस्था और आम जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर परसा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी एवं समाजसेवी जवाहर कुमार सिंह ने जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सारण के जिलाधिकारी से जिले में विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सरकारी योजनाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई करने की मांग की है।

जवाहर कुमार सिंह ने मठ चिलावे गांव को जोड़ने वाली सड़क का उदाहरण देते हुए कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित सड़क का क्षतिग्रस्त होकर धराशायी हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है। उनका कहना है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने नल-जल योजना, शौचालय निर्माण और सरकारी विद्यालयों की स्थिति पर भी चिंता जताई। जवाहर सिंह के अनुसार, सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था बेहतर नहीं होने के कारण निजी विद्यालयों की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है। वहीं, बाढ़ के दौरान सामने आई प्रशासनिक कमियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कई वंचित परिवारों को अब तक 7,000 रुपये की बाढ़ राहत राशि नहीं मिल पाई है।

सोनपुर क्षेत्र में सरकारी बस सेवा शुरू करने की मांग

जवाहर कुमार सिंह ने सोनपुर के शिकारपुर से दरिहारा सरैया जाने वाली सड़क पर सरकारी बस सेवा शुरू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि ऑटो चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूले जाने से स्थानीय लोगों को काफी परेशानी होती है। क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा का अभाव है, जबकि भारतमाला



परियोजना जैसे बड़े निर्माण कार्य भी प्रगति पर हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से आग्रह किया कि गंडक बांध वाली सड़क पर सरकारी बस सेवा शुरू करने के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। उन्होंने कहा कि सोनपुर क्षेत्र की जनता को मुख्यमंत्री से काफी उम्मीदें हैं और क्षेत्र के विकास के लिए ठोस पहल की आवश्यकता है।

केवल सांसद और विधायकों पर नहीं छोड़ी जा सकती विकास की जिम्मेदारी

जवाहर सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय विकास की पूरी जिम्मेदारी केवल विधायक और सांसदों पर छोड़ देना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन को भी ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार के अधिकांश जिलों में ग्रामीण आबादी अधिक है, इसलिए ग्रामीण सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और सरकारी योजनाओं की गुणवत्ता पर विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने बिहार में बड़े-बड़े भवनों और विकास परियोजनाओं की घोषणाओं पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि बड़े सपने देखने से पहले आम जनता की बुनियादी समस्याओं का समाधान जरूरी है। बिहार को पहले बुनियादी सुविधाओं के मामले में मजबूत बनाना होगा।

लोकसभा चुनाव लड़ने का लिया संकल्प

जवाहर कुमार सिंह ने घोषणा की कि वे इस बार लोकसभा चुनाव में सांसद प्रत्याशी के रूप में उतरने का संकल्प ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाबा हरिहर नाथ की कृपा से वे जनता की सेवा और क्षेत्रीय विकास के उद्देश्य से लगातार प्रयासरत हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार के किसी भी जिले के नागरिक को अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सहायता की आवश्यकता होगी तो वे यथासंभव मदद करने के लिए तत्पर रहेंगे।

जवाहर सिंह ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह उनके न्यायिक एवं प्रशासनिक सलाहकार हैं, जिनके मार्गदर्शन में वे जनहित से जुड़े मुद्दों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

अंत में उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल राजनीतिक पहचान बनाना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं को उठाकर क्षेत्रीय विकास की दिशा में सार्थक पहल करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि नीयत और निष्ठा सही हो तो ईश्वर भी सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।